# उड़ान

## मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की उड़ान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
की त्रैमासिक पत्रिका

www.uou.ac.in

Follow us on: /uoulive

जनवरी-जून 2026
(संयुक्तांक)

# कुलपति की कलम से...

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की गृह पत्रिका उड़ान का जनवरी-जून अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है| कारण यह कि यह पत्रिका विश्वविद्यालय के क्रिया-कलापों, गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं को उन पाठकों के सामने रख देती है, जो विश्वविद्यालय को समझना चाहते हैं| अर्थ यह कि 'उड़ान' विश्वविद्यालय का अकादमिक वातायन है|

12 जनवरी, 2026 को विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया| कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से. नि.) श्री गुरमीत सिंह जी ने की| दीक्षांत समारोह में 6 शोधार्थियों समेत 18149 शिक्षार्थियों कोई उपाधि प्रदान की गई तथा 34 शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए| दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के छः शिक्षकों को सम्मानित कर एक नई पहल की गई| इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रगति को रेखांकित प्रगति के सोपान का विमोचन और हिंदी वेबसाइट का लोकार्पण भी किया गया| विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण हेतु तैयार किया गया फिन ऐप, मल्टी रेडियो ऐप उत्तरावाणी के साथ ही होम स्टे मैनेजर पुस्तिका का लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल के कर कमलों द्वारा लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया| विश्वविद्यालय की इस पहल को माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल द्वारा प्रशंसित किया गया, यह हमारे लिए प्रेरणास्वरुप है|

वर्तमान मनुष्य सभ्यता अनेक प्रकार के संकटों से गुजर रही है| सभ्यतागत परिवर्तन ने शैक्षिक जगत के सामने भी नए प्रकार के प्रश्न खड़े कर दिए हैं| शिक्षा और संस्कृति में तीव्र गति से हो रहे परिवर्तन ने विश्वविद्यालय को भी नए ढंग से चिंतन हेतु बाध्य किया है| राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने सभ्यतागत परिवर्तन को समझकर विश्वविद्यालय ने व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा को केंद्रीयता प्रदान की| विश्वविद्यालय ने इस दिशा में पहल करते हुए अनेक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए हैं| राष्ट्रीय शिक्षा नीति की दृष्टि के अनुरूप विश्वविद्यालय ने भाषाओं को केंद्रीयता प्रदान की है| इस क्रम में भारतीय भाषाओं में अपभ्रंश, जौनसारी व विदेशी भाषाओं में स्पेनिश व चीनी में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रारम्भ कर रहा है| जापानी भाषा में प्रमाण पत्र कार्यक्रम पूर्व से संचालित हो रहा है | विश्वविद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय विजिटिंग प्रोफेसर फेलोशिप की स्थापना वैश्विक शैक्षणिक सहयोग और अनुसंधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है| शोध एवं नवाचार की दिशा में भी विश्वविद्यालय ने अभिनव पहल करते हुए आईआईटी बाम्बे, इग्नू, दिल्ली, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, नेपाल खुला विश्वविद्यालय, नेपाल, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी समेत अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (MOU ) हस्ताक्षरित किए | विश्वविद्यालय की 45 वीं कार्यपरिषद् में 16 शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान की गई, 13 कौशल विकास केंद्रों को मंजूरी दी गई साथ ही राज्य में 8 गाँव गोद लेने को मंजूरी प्रदान की गई | इसी प्रकार शोध अध्यादेश 2026 को लागू कर शोध व नवाचार की दिशा में विश्वविद्यालय ने अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित की है| उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अपने सामुदायिक कार्यों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहा है| विश्वविद्यालय ने उप कारागार, हल्द्वानी के कैदियों हेतु निःशुल्क शिक्षा की पहल की है| यह पहल कैदियों को उच्च शिक्षा से जोड़कर उनके पूनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा | इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने 22 मार्च से लेकर 21 जून तक प्रति रविवार निःशुल्क योग शिविर का आयोजन कर अपनी सामुदायिक दृष्टि का परिचय दिया है| इस अवधि में विश्वविद्यालय में अनेक संगोष्ठी व कार्यशालाओं का आयोजन किया गया||

विश्वविद्यालय द्वारा छात्र हितार्थ केंद्रीय मूल्यांकन करवा कर पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूती प्रदान की है| विश्वविद्यालय की यह पहल छात्रों को पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया प्रदान करना है| विश्वविद्यालय ने परीक्षा समाप्ति के 20 दिन के भीतर ही समस्त परीक्षा परिणाम घोषित कर अपनी छात्र केंद्रित दृष्टि का ही परिचय दिया है|

उड़ान का यह अंक विश्वविद्यालय की प्रमुख गतिविधियों का परिचायक है| इस अंक के संपादन हेतु मैं संपादक मण्डल के सभी सदस्यों कोई बधाई देता हूँ|

**प्रो नवीन चंद्र लोहनी**
**कुलपति**

# संपादकीय

## नवाचार, विस्तार और सामाजिक उत्तरदायित्व की नई उड़ान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका 'उड़ान' के जनवरी–मार्च 2026 तथा अप्रैल–जून 2026 के संयुक्त अंक को पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता एवं गर्व का अनुभव हो रहा है। यह अवधि विश्वविद्यालय के लिए उपलब्धियों, नवाचारों, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय सहयोगों तथा समाजोन्मुखी पहलों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। शिक्षा, शोध, कौशल विकास, जनसंचार और सामाजिक सहभागिता के विविध आयामों में विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान को और सुदृढ़ किया है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सदैव से ही गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समावेशी शिक्षा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक ज्ञान पहुँचाने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। बीते छह महीनों में विश्वविद्यालय ने इस संकल्प को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों तथा विभिन्न संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) संपादित किए हैं। इन सहयोगों का उद्देश्य केवल अकादमिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है, बल्कि शोध, नवाचार, कौशल विकास, प्रशिक्षण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा वैश्विक ज्ञान-साझेदारी के नए अवसरों का सृजन करना भी है। यह पहल विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवधि में विश्वविद्यालय ने राज्य में वित्तीय साक्षरता एवं वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'फिनबोध' जैसी अभिनव पहल प्रारम्भ की है। वर्तमान समय में जब आर्थिक निर्णयों का प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज के विकास पर प्रत्यक्ष रूप से पड़ता है, तब वित्तीय जागरूकता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। 'फिनबोध' कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय समाज के विभिन्न वर्गों तक वित्तीय ज्ञान पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। यह पहल न केवल लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि उत्तराखण्ड में आर्थिक जागरूकता के एक नए अध्याय की भी शुरुआत करेगी।

जनसंचार एवं सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने एक अभिनव और दूरदर्शी कदम उठाते हुए 'उत्तरावाणी' रेडियो ऍप का विकास किया है। यह ऍप राज्य के विभिन्न सामुदायिक रेडियो केन्द्रों को एक साझा मंच प्रदान करता है। उत्तराखण्ड की भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधताओं को एक सूत्र में पिरोने वाली यह पहल संचार के लोकतांत्रिक स्वरूप को और सशक्त बनाएगी। सामुदायिक रेडियो सदैव स्थानीय समाज की आवाज रहे हैं और 'उत्तरावाणी' उनके प्रभाव एवं पहुँच को नई तकनीक के माध्यम से व्यापक आयाम प्रदान करेगा। यह प्रयास डिजिटल युग में जनसंचार और सामुदायिक सहभागिता के उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण है।

रोजगार एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विशेष रूप से असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर जैसे रोजगारपरक कार्यक्रमों का शुभारम्भ राज्य की स्थानीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन एवं उद्यमिता को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उत्तराखण्ड जैसे पर्यटन प्रधान राज्य में होमस्टे संस्कृति तेजी से विकसित हो रही है और इसके लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किया गया यह कार्यक्रम युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर न केवल रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा, बल्कि स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में भी प्रेरित करेगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना तथा कौशल आधारित शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप है।

इन सभी उपलब्धियों और पहलों के पीछे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) का दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उनके सतत दिशा-निर्देशों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध, नवाचार, कौशल विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्रों में निरंतर नई उपलब्धियाँ अर्जित कर रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षक, शोधार्थी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी इसी प्रेरणा से उत्कृष्टता की ओर अग्रसर हैं।

आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में केवल ज्ञानार्जन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि शोध, नवाचार और समाजोपयोगी समाधान विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। इसी दृष्टि से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय शोध एवं नवाचार को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति को प्रोत्साहित करने, अंतर्विषयी अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा नवीन तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक पहलें की जा रही हैं। हमारा विश्वास है कि शोध और नवाचार ही भविष्य के विकास की वास्तविक आधारशिला हैं।

'उड़ान' का यह संयुक्त अंक विश्वविद्यालय की इन उपलब्धियों, गतिविधियों, शैक्षणिक प्रयासों, शोध उपलब्धियों तथा समाजोन्मुखी पहलों का दस्तावेज है। हमें विश्वास है कि यह अंक पाठकों को विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा से अवगत कराने के साथ-साथ उन्हें शिक्षा, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित भी करेगा।

आइए, हम सब मिलकर ज्ञान, शोध, नवाचार और सामाजिक सरोकारों की इस यात्रा को आगे बढ़ाएँ तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता के नए आयामों तक पहुँचाने में अपना योगदान दें। यही हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और भविष्य की दिशा है।

**प्रो0 राकेश चंद्र रयाल**

# दीक्षान्त समारोह

## उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी का दशम दीक्षांत समारोह सम्पन्न

### कुल 18146 शिक्षार्थियों को मिली उपाधि, 2 शिक्षार्थियों को कुलाधिपति मेडल, 28 शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय गोल्ड मेडल ,4 शिक्षार्थियों को प्रायोजित मेडल व विश्वविद्यालय के 6 शिक्षकों को सम्मान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह सोमवार, 12 जनवरी 2026 को गरिमामय एवं भव्य वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं प्रदेश के महामहिम राज्यपाल ले. जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने की। इस अवसर पर कुल 18,146 शिक्षार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा स्तर की उपाधियाँ प्रदान की गईं, जबकि 6 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारम्भ शोभायात्रा, राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार, शोध गतिविधियों एवं शिक्षण गुणवत्ता सुदृढ़ीकरण के प्रयासों की जानकारी दी। इसके उपरान्त कुलाधिपति द्वारा विधिवत उपाधि-प्रदान की प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई।

दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा पीएच.डी. एवं स्वर्ण पदक प्राप्त शिक्षार्थियों के साथ समूह-फोटोग्राफ लिया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय की नवनिर्मित शौर्य दीवार, हिंदी वेबसाइट, 'प्रगति के सोपान' तथा त्रैमासिक पत्रिका 'उड़ान' का लोकार्पण किया गया। साथ ही उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान हेतु इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 06 शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए, जिनमें प्रो. गिरिजा पाण्डेय, प्रो. पी. डी. पंत, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. जीतेन्द्र पाण्डेय, प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण शामिल थे। इसके अलावा आई सी टी अनुभाग से विनीत पौड़ियाल को रेडियो ऐप 'हैलो हल्द्वानी' तैयार करने के लिए सम्मानित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में महामहिम कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को सत्य, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों के साथ निरंतर सीखते

रहने का संदेश दिया। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक कार्यों की सराहना की तथा कहा कि विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा को घर-घर पहुँचाया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अच्छा कार्य कर रहा है, विश्वविद्यालय ने कई शिक्षण संस्थान, उपकारागार, सेना, आई आई टी रुड़की जैसे संस्थानों से समझौता कर सभी को उच्च शिक्षा से जोड़ने का काम किया है। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव द्वारा आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा राष्ट्रगान के पश्चात शोभायात्रा के साथ समारोह का समापन हुआ।

दीक्षांत समारोह में विद्यापरिषद के सदस्य प्रो. पी.एस. बिष्ट, डॉ. एच.सी. पुरोहित एवं कार्यपरिषद के सदस्य प्रो. बी.एस. राजपूत, श्री रमेश चंद्र बिंजोला और डॉ. अजय कुमार गुप्ता, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट, यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, जी बी पंत नगर विश्वविद्यालय के प्रो एम एन एस चौहान, श्री देव सिंह सुमन के कुलपति प्रो एन के जोशी, प्रो. एच पी शुक्ला, प्रो. उमा जोशी मौजूद रहे। शहर के विद्वतजन, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल समेत अन्य अधिकारी, नगर के महापौर श्री गजराज सिंह बिष्ट, माननीय विधायक लालकुआँ डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, और अन्य गणमान्यों की उपस्थिति के साथ ही विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार, वित्त नियंत्रक एस. पी. सिंह व सभी विद्याशाखा के निदेशक व अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

# ‘फिन बोध’ एवं ‘उत्तरावाणी’ ऐप तथा होमस्टे पाठ्य सामग्री का लोकार्पण

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ‘फिन बोध’ एवं ‘उत्तरावाणी’ ऐप तथा असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर पाठ्य सामग्री का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने इन पहलों को राज्य के आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण, कौशल विकास और पर्यटन संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। ‘फिन बोध’ ऐप को वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसमें बचत, निवेश, बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी वित्तीय योजनाओं से संबंधित उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई गई है। वहीं ‘उत्तरावाणी’ ऐप को राज्य के विभिन्न सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को एक मंच पर जोड़ने वाले मल्टी-कम्युनिटी रेडियो प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है, जो लोकभाषाओं, लोकसंस्कृति और सामुदायिक संवाद को प्रोत्साहित करेगा।

इसके साथ ही असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर पाठ्यक्रम हेतु तैयार प्रतिभागी पुस्तिका एवं फैसिलिटेटर गाइड का भी लोकार्पण किया गया। पाठ्य सामग्री में अतिथि सत्कार, हाउसकीपिंग, ऑनलाइन बुकिंग, सोशल मीडिया प्रचार, संचार कौशल तथा उद्यमिता जैसे विषयों को शामिल किया गया है, जिससे युवाओं को पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के लिए व्यवहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध हो सकेगा।

कार्यक्रम में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, कुलसचिव खेम राज भट्ट सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ शशांक शुक्ल ने किया।

# माननीय मुख्यमंत्री से कुलपति की शिष्टाचार भेंट

## विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति की सराहना

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास पर माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने मुख्यमंत्री जी को विश्वविद्यालय की वर्तमान शैक्षणिक गतिविधियों, डिजिटल लर्निंग नवाचारों और हालिया उपलब्धियों को विस्तारपूर्वक अवगत कराया। भेंट के दौरान कुलपति प्रो. लोहनी ने मुख्यमंत्री जी को विश्वविद्यालय की प्रमुख पत्रिकाएँ— 'उड़ान', 'प्रगति के सोपान' और 'वार्षिक रिपोर्ट' भी भेंट की। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्वविद्यालय के प्रकाशनों और शोधपरक दृष्टि की प्रशंसा करते हुए उच्च शिक्षा के प्रसार में यूओयू की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री जी ने राज्य में उच्च शिक्षा के सुदृढ़ीकरण हेतु विश्वविद्यालय को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और आगामी सत्र की विस्तार योजनाओं पर अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारी कार्यों को राज्य के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरणादायी बताया।

# कुलपति ने माननीय शिक्षा मंत्री से की भेंट
# आगामी योजनाओं पर हुई चर्चा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहनी ने दिनांक 09 मई 2026 को प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान कुलपति प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहनी ने विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, शैक्षणिक गतिविधियों तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं के संबंध में शिक्षा मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी साझा की। कुलपति ने आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए विश्वविद्यालय की प्रस्तावित योजनाओं, नवाचारों और विकास कार्यों पर शिक्षा मंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया। शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत ने विश्वविद्यालय की प्रगति एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा के विस्तार, नई शैक्षणिक पहलों और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।

# उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 77वाँ गणतंत्र दिवस का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 77वाँ गणतंत्र दिवस गरिमामय वातावरण में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने विश्वविद्यालय परिसर में ध्वज फहराया और 'शौर्य दीवार' पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्र के वीर सपूतों को नमन किया। विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. लोहनी ने कहा कि लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों का समुच्चय है। उन्होंने संविधान में निहित स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को अपने आचरण में उतारने का आह्वान किया ताकि एक स्वस्थ और समावेशी कार्य संस्कृति का निर्माण हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने सहकर्मियों और अधीनस्थों के साथ भी लोकतांत्रिक भावना के साथ व्यवहार करना चाहिए। समारोह में कुलसचिव श्री खेमराज भट्ट, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार सहित

विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और मिष्ठान वितरण के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ शशांक शुक्ला द्वारा किया गया ।

# UOU कार्यपरिषद की 45वीं बैठक

## 16 शिक्षकों को पदोन्नति, 13 कौशल विकास केंद्र और 8 गांवों को गोद लेने की मंजूरी

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की 45वीं बैठक में विश्वविद्यालय के भविष्य को नई दिशा देने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शैक्षणिक उत्कृष्टता, कर्मचारियों के कल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन साधने वाले प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई।

विश्वविद्यालय के 16 स्थायी शिक्षकों की पदोन्नति के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इसमें 13 शिक्षकों को शैक्षणिक स्तर 10 से 11 तथा 3 शिक्षकों को स्तर 11 से 12 में प्रोन्नत किया गया है।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक, आईटी निदेशक और सॉफ्टवेयर इंजीनियर जैसे तकनीकी पदों के लिए नई सेवा नियमावली तैयार करने हेतु समिति का गठन किया गया।

अस्थायी रूप से कार्यरत शिक्षकों एवं कार्मिकों के मानदेय/वेतन पुनरीक्षण के लिए भी एक विशेष समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी (USR) के तहत 8 क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा 8 गांवों को गोद लेने की मंजूरी दी गई। इन गांवों (जैसे टिहरी का मोलनों, अल्मोड़ा का मल्ली मिराई आदि) में शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री घोषणा के अनुरूप राज्य में 13 नए कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। परिषद ने इसे दुर्गम क्षेत्रों तक शिक्षा पहुँचाने और युवाओं को रोजगारपरक बनाने की दिशा में एक उत्कृष्ट कदम बताया। प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा, "विश्वविद्यालय अब केवल डिग्री देने तक सीमित नहीं है। गांवों को गोद लेने और कौशल विकास केंद्रों की स्थापना से हम समाज की धड़कन से जुड़ेंगे और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे।" कुलसचिव एवं सचिव कार्यपरिषद खेमराज भट्ट ने निर्णयों की जानकारी दी। बैठक में पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रो. योजना रावत, हिमालयन चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश चन्द्र बिंजोला, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. पी.डी. पंत, प्रो. जीतेन्द्र पाण्डेय सहित इग्नू और सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल्स के प्रतिनिधि ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से सम्मिलित रहे।

# विद्या परिषद की 35वीं बैठक में महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रस्तावों को संस्तुति

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 35वीं बैठक कुलपति एवं परिषद अध्यक्ष प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में 28 मई, 2026 को सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक कार्यों से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया तथा अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को संस्तुति एवं अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक में जुलाई 2026 सत्र से सेमेस्टर आधारित कार्यक्रमों के शुल्क को सेमेस्टरवार जमा करने संबंधी प्रस्ताव, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप ट्रांसक्रिप्ट के नवीन प्रारूप तथा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अकादमिक कैलेंडर को संस्तुति प्रदान की गई।

परिषद के समक्ष विश्वविद्यालय के पाँच नए MOOCs पाठ्यक्रमों को SWAYAM पोर्टल पर प्राप्त स्वीकृति की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। बैठक में शोध गतिविधियों से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों, पीएचडी कार्यक्रमों तथा अध्ययन बोर्डों की संस्तुतियों पर विचार किया गया। साथ ही 'भाषा विद्याशाखा' के गठन एवं विद्याशाखाओं के पुनर्गठन के लिए एक समिति के गठन का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त नए ऐच्छिक पाठ्यक्रमों तथा शोध प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित प्रस्तावों को भी परिषद की संस्तुति प्राप्त हुई।

बैठक में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन (हाइब्रिड माध्यम) में आयोजित की गई। बाह्य सदस्य के रूप में प्रो. एन. सी. पोखरियाल, पूर्व कार्यकारी निदेशक, मुक्त शिक्षा विद्याशाखा, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रो. पी. एस. बिष्ट, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग एवं परिसर निदेशक, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा; डॉ. एच.सी. पुरोहित, प्रोफेसर एवं डीन, प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा, दून विश्वविद्यालय, देहरादून; तथा डॉ. मनु प्रताप सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस विभाग, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की।

बैठक में विश्वविद्यालय के आंतरिक सदस्य के रूप में कुलसचिव श्री खेमराज भट्ट, वित्त अधिकारी श्री सूर्य प्रताप सिंह, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, प्रोफेसर एवं परिषद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# वित्त समिति की 21वीं बैठक संपन्न

## UOU के विकास हेतु वार्षिक बजट और नए प्रस्तावों को मिली हरी झंडी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 21वीं बैठक कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के वर्ष 2025-26 के आय-व्यय विवरण की समीक्षा की गई और आगामी वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित बजट प्रस्तुत किया गया। समिति ने विश्वविद्यालय के कुशल वित्तीय प्रबंधन की सराहना करते हुए 'विश्वविद्यालय पूंजी निधि' (Capital Fund) की स्थापना पर अपनी सहमति व्यक्त की।

बैठक के प्रमुख नीतिगत निर्णय लेते हुए कंप्यूटर विज्ञान विभाग में 50 आधुनिक कंप्यूटरों वाली नई प्रयोगशाला की स्थापना को मंजूरी दी गई।

विश्वविद्यालय परिसर में माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं की स्थापना का निर्णय भी लिया गया।

विद्यार्थियों के शारीरिक विकास हेतु 'ओपन जिम' की स्थापना और खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों के बजट में वृद्धि का प्रावधान किया गया 'असिस्टेंट होम स्टे मैनेजर' एवं शोध पाठ्यक्रमों की शुल्क संरचना का निर्धारण किया गया। कर्मचारियों के हित में 'मृतक आश्रित नियमावली' के अंगीकरण का प्रस्ताव पारित किया गया। वित्त नियंत्रक श्री सूर्य प्रताप सिंह के संचालन में आयोजित इस बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के उप सचिव श्री हरीश सागर, पंजाब विश्वविद्यालय की शोध निदेशक श्रीमती योजना रावत (ऑनलाइन), समाज कल्याण विभाग की मुख्य वित्त अधिकारी श्रीमती पूजा नेगी और कुलसचिव श्री खेमराज भट्ट उपस्थित रहे।

# गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की ओर बढ़ते कदम

## UOU में चतुर्थ शोध परिषद की बैठक संपन्न

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में 'शोध परिषद' की चतुर्थ बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य आकर्षण 'शोध अध्यादेश-2026' (Research Ordinance-2026) के प्रारूप का प्रस्तुतीकरण और उसका सर्वसम्मति से अनुमोदन करना रहा, जो विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता और पारदर्शिता को नए मानक प्रदान करेगा।

बैठक में निदेशक (शोध) प्रो. गिरिजा पांडे एवं अतिरिक्त निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल ने विश्वविद्यालय की शोध नीतियों का विवरण साझा किया। सहायक निदेशक डॉ. एस.एन. ओझा द्वारा प्रस्तुत नए शोध अध्यादेश पर गहन विचार-विमर्श के बाद इसे मंजूरी दी गई।

बाह्य विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. एच.सी. पुरोहित (दून विश्वविद्यालय), प्रो. गोपाल नंद साहू (कुमाऊं विश्वविद्यालय) और प्रो. जयदीप शर्मा (इग्नू) ने विश्वविद्यालय की शोध नीतियों की सराहना की। उन्होंने इन नीतियों को नैतिक (Ethical) और पारदर्शी शोध को बढ़ावा देने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। बैठक में शोधार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने और उच्च स्तरीय शोध को प्रोत्साहित करने पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर उपनिदेशक शोध प्रो. पी.के. सहगल, श्रीमती करिश्मा (शोध अधिकारी) सहित समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक एवं परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

# समझौता ज्ञापन

## अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय संस्थानों के साथ MOU's

### कोरिया नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के साथ शैक्षणिक सहयोग समझौता

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहभागिता को विस्तार देते हुए दक्षिण कोरिया की "कोरिया नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (केएनओयू)" के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के माध्यम से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, वर्चुअल लर्निंग, शोध सहयोग, शिक्षार्थी सहायता प्रणाली तथा गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

समझौते के अंतर्गत अकादमिक एवं मानव संसाधन विकास, शैक्षिक सामग्री के आदान-प्रदान, वर्चुअल लर्निंग कंटेंट के विकास, संयुक्त शोध परियोजनाओं, कार्यशालाओं, सेमिनारों तथा फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रमों के आयोजन पर सहमति बनी।

इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं एवं कर्मचारियों के अल्पकालिक शैक्षणिक आदान-प्रदान तथा ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग, गुणवत्ता आश्वासन और शिक्षार्थी सहायता प्रणालियों से संबंधित श्रेष्ठ अनुभवों को साझा करने का भी निर्णय लिया गया। एमओयू पर केएनओयू की ओर से प्रो. किम जोंगहो एवं प्रो. जंग से-यून तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी एवं कुलसचिव खीमराज भट्ट ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता आगामी पाँच वर्षों तक प्रभावी रहेगा।

# सरहदें पार कर जुड़ा ज्ञान का सेतु

## UOU और नेपाल के फार वेस्टर्न विश्वविद्यालय के बीच MoU

भारत और नेपाल के बीच शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊँचाई देते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) और नेपाल के फार वेस्टर्न विश्वविद्यालय (Far Western University) के मध्य एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता हिमालयी क्षेत्र के दो प्रमुख शिक्षण संस्थानों के बीच शोध और ज्ञान-विनिमय के नए युग की शुरुआत है। इस अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के तहत दोनों विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर कार्य करेंगे।

सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एवं हिमालयी क्षेत्र के भौगोलिक व सांस्कृतिक अध्ययन पर संयुक्त शोध किया जायेगा। नेपाली भाषा सहित विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का साझा संचालन किया जायेगा साथ ही शोध, नवाचार और बौद्धिक संपदा (IPR) के क्षेत्र में साझेदारी पर बल दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने इसे भारत-नेपाल की साझा विरासत को संरक्षित करने की दिशा में मील का पत्थर बताया। नेपाल यूजीसी के चेयरमैन प्रो. देशराज अधिकारी एवं फार वेस्टर्न विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हेमराज पंत ने इस पहल को द्विपक्षीय शैक्षिक सहयोग के लिए आशाजनक बताया। निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डेय ने कहा कि यह साझेदारी ऐतिहासिक धरोहरों को वैश्विक मंच प्रदान करेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कार्की ने किया और कुलसचिव खेमराज भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर नेपाल खुला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. गोविंद सिंह विष्टा, प्रो. सोमेश कुमार, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. राकेश रयाल, डॉ. शशांक शुक्ल सहित कई वरिष्ठ शिक्षाविद उपस्थित रहे।

# एरीज के साथ शैक्षणिक एवं शोध सहयोग समझौता

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय और आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के बीच शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के माध्यम से विज्ञान, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से जुड़े शोध कार्यों के लिए दोनों संस्थानों के बीच सहयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ।

कार्यक्रम में एरीज के निदेशक प्रो. मनीष नजा ने हल्द्वानी को वायुमंडलीय एवं जलवायु संबंधी अध्ययनों के लिए उपयुक्त क्षेत्र बताते हुए कहा कि यह साझेदारी जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरणीय चुनौतियों पर संयुक्त शोध गतिविधियों को मजबूत आधार प्रदान करेगी। समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय के भौतिकी, भूगोल एवं पर्यावरण विज्ञान विभागों के साथ विभिन्न शोध परियोजनाओं, शैक्षणिक गतिविधियों एवं ज्ञान-विनिमय कार्यक्रमों पर सहमति बनी।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि एरीज जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ सहयोग से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को नया आयाम मिला। साथ ही शिक्षार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार आधारित कार्यक्रमों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में एमओयू दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया।

# नवाचार और शोध को मिलेगी नई उड़ान

## यूओयू एवं हिंदी विश्वविद्यालय के बीच हुआ समझौता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन यानी MoU हुआ। कार्यक्रम के दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने आपस में हस्ताक्षरित दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। इस मौके पर सभी विद्या शाखाओं के निदेशक उपस्थित रहे, जहाँ निदेशक सीका ने इस समझौते के मुख्य उद्देश्यों को सामने रखा। इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि यह समझौता राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के लक्ष्यों को प्राप्त करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। इसके तहत दोनों संस्थान वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप

अपने पाठ्यक्रमों में नए बदलाव और नवाचार करेंगे। साथ ही, दोनों विश्वविद्यालय एक-दूसरे के मानव संसाधन और बौद्धिक संपदा का उपयोग करके शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाएंगे। गौरतलब है कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा का एक बड़ा ढांचा है। यहाँ के विभिन्न विद्यापीठों में विशेषकर हिंदी अनुवाद और आधुनिक तकनीक को लेकर बेहतरीन और स्तरीय काम हो रहा है।

इस समझौते के बाद, दोनों ही विश्वविद्यालय एक-दूसरे के इन मजबूत पक्षों और अनुभवों का सीधा लाभ उठा सकेंगे। वहीं, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहनी ने इस साझेदारी को दोनों संस्थानों के लिए

# इग्नू के साथ शैक्षिक एवं शोध सहयोग समझौता

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के मध्य नई दिल्ली स्थित इग्नू मुख्यालय में शैक्षिक एवं शोध सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक गतिविधियों, शोध कार्यों, फैकल्टी एक्सचेंज तथा शैक्षणिक संसाधनों के आदान-प्रदान को नई दिशा मिली।

एमओयू के अंतर्गत संयुक्त शोध परियोजनाओं, सेमिनारों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अध्ययन सामग्री के विकास में सहयोग पर सहमति बनी। साथ ही दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर भी विशेष बल दिया गया।

समझौते के अवसर पर दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने उच्च शिक्षा में संस्थागत सहयोग की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। इस साझेदारी को विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संसाधनों और अनुभवों तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना गया। कार्यक्रम में इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल, कुलसचिव प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी सहित दोनों विश्वविद्यालयों के अधिकारी एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।

# यूओयू एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के मध्य शैक्षणिक MoU

## उच्च शिक्षा, शोध और मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को मिलेगी नई दिशा

उच्च शिक्षा, शोध तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मध्य शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयागराज स्थित मुख्यालय में सम्पन्न हुआ। समझौता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) नवीन चन्द्र लोहनी तथा उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. सत्यकाम ने प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी का आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किया। समझौते के उपरान्त प्रो. सत्यकाम ने कहा कि यह MoU दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं संस्थागत सहयोग को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अंतर्गत शोध एवं नवाचार, संकाय एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अध्ययन सामग्री के विकास, डिजिटल शिक्षण संसाधनों तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सहयोग किया जाएगा।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्यों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, लचीली एवं सुलभ उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए दोनों विश्वविद्यालय मिलकर कार्य करेंगे। यह समझौता मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी, नवाचारोन्मुख तथा विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस साझेदारी से दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त होंगे तथा ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं सार्थक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं शिक्षकों ने इस समझौते को मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी भविष्य में दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक, शोध एवं अकादमिक सहयोग को नई गति प्रदान करेगी तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करेगी।

# यूओयू एवं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के बीच अकादमिक समझौता

उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (CCSU), मेरठ के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच शोध, संयुक्त परियोजनाओं और ज्ञान-संसाधनों के आदान-प्रदान के नए द्वार खोलेगी।

कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने CCSU से अपने पुराने भावनात्मक जुड़ाव को साझा करते हुए कहा कि आज के दौर में संस्थानों के बीच ज्ञान का साझा आदान-प्रदान शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनिवार्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह समझौता भविष्य में महत्वपूर्ण शोध परियोजनाओं को जन्म देगा। मेरठ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षक और शोधार्थी संयुक्त रूप से कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान CCSU के रिसर्च डायरेक्टर प्रो. बीरपाल सिंह ने स्लाइड प्रस्तुति के माध्यम से अपनी शोध उपलब्धियों को साझा किया। इस अवसर पर यूओयू के कुलसचिव खेमराज भट्ट, प्रो. जीतेन्द्र पांडेय, प्रो. गगन सिंह और मेरठ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

# यूओयू और हल्द्वानी पोस्ट ऑफिस के बीच MoU, अब 5 दिनों में घर पहुँचेंगी पुस्तकें

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और मुख्य डाकघर हल्द्वानी के मध्य अगले तीन वर्षों के लिए एमओयू (MoU) को रिन्यू किया गया है। इस समझौते के तहत पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि वे पूरी सजगता के साथ विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री को शिक्षार्थियों तक पहुँचाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। नए सत्र से विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा देने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा पोस्ट ऑफिस को एक एक्सेल शीट में विद्यार्थियों की समस्त सूचनाएँ—जैसे नाम, एनरोलमेंट नंबर, पता और फोन नंबर—उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, डाकघर का वाहन प्रतिदिन विश्वविद्यालय परिसर आकर डाक और पार्सल्स को रिसीव करेगा।

विद्यार्थियों की सहूलियत के लिए अब पुस्तकों के डिस्पैच होते ही एक ट्रैकिंग आईडी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अपने पार्सल की स्थिति को आसानी से ट्रैक कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का यह प्रयास है कि आगामी सत्र से पुस्तकें डिस्पैच होने के मात्र 5 कार्य दिवसों के भीतर विद्यार्थियों द्वारा दिए गए पते पर डिलीवर कर दी जाएं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी, MPDD के निदेशक प्रोफेसर पी. डी. पंत, रजिस्ट्रार श्री खेमराज भट्ट, पोस्ट मास्टर श्री चंदन बिष्ट, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव श्री नरेश शर्मा, सहायक निदेशक MPDD डॉ. दीपांकुर जोशी, डॉ. घनश्याम जोशी, ICT विभाग से श्री राजेंद्र गोस्वामी और श्री नंदन अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

# विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्रों के साथ MOU's

## अध्ययन केंद्र नंदानगर (चमोली) में खुलेगा UOU का नया अध्ययन केंद्र, एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

चमोली जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा पहुँचाने के संकल्प के साथ शहीद जगदीश प्रसाद पुरोहित राजकीय महाविद्यालय, नंदानगर में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का नया अध्ययन केंद्र खोलने हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। 02 फरवरी 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विद्या शंकर ने एमओयू हस्ताक्षरित किया। नंदानगर परिसर में क्रियाशील हुए इस नए केंद्र का कोड 20001 निर्धारित किया गया है। इस केंद्र की स्थापना से क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्नातक (BA), स्नातकोत्तर (MA), डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों में स्थानीय स्तर पर ही प्रवेश और अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की सुलभता से न केवल विद्यार्थियों का शैक्षणिक विकास होगा, बल्कि यह पलायन को रोकने में भी सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशालय (RSD) के निदेशक प्रो. गिरिजा पांडेय, अतिरिक्त निदेशक प्रो. एम. एम. जोशी एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री पी. एस. परिहार उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर बताया

# सोमेश्वर अध्ययन केंद्र हेतु MoU

## स्थानीय युवाओं को मिलेंगे उच्च शिक्षा के नए अवसर

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) और हुकुम सिंह बोरा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सोमेश्वर के मध्य अध्ययन केंद्र (कोड-17071) के संचालन हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) का नवीनीकरण किया गया।

माननीय कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट एवं महाविद्यालय की ओर से डॉ. अमिता प्रकाश ने हस्ताक्षर किए। इस नवीनीकरण के साथ ही सोमेश्वर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सुविधा निरंतर जारी रहेगी। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य प्रदेश के दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों के अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना है। यह केंद्र स्थानीय छात्र-छात्राओं को घर के समीप ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सशक्त माध्यम प्रदान करता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के अतिरिक्त निदेशक प्रो. एम. एम. जोशी एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री पी. एस. परिहार भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्रशासन ने क्षेत्रीय विद्यार्थियों से आगामी सत्र में अधिकाधिक संख्या में प्रवेश लेकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

# संगोष्ठी

## सहयोग से ही संभव है सशक्त समाज

### यूओयू में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 'महिला अध्ययन केंद्र' एवं 'समान अवसर प्रकोष्ठ' के संयुक्त तत्वावधान में 12 मार्च 2026 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय “सहयोग से सशक्त समाज : एक विमर्श” रहा, जो इस वर्ष की थीम “Give to Gain” पर आधारित था।

प्रो. रेनू प्रकाश (निदेशक, समाज विज्ञान) ने बदलते सामाजिक परिदृश्य में महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के लिए 'सुरक्षित वातावरण' प्रदान करने की अनिवार्यता पर बल दिया।

प्रो. पी.डी. पंत (निदेशक अकादमिक) ने कहा कि परिवार समानता और सहयोग के संस्कार विकसित करने वाली सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। प्रो. मधु नयाल (विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान, एसएसजे वि.वि.) ने रेखांकित किया कि एक 'खुशहाल व्यक्ति' ही खुशहाल समाज का निर्माण कर सकता है। प्रो. ऋतु रखोलिया (बाल रोग विशेषज्ञ, राजकीय मेडिकल कॉलेज) ने सामूहिक जिम्मेदारी की भावना और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण को राष्ट्र के भविष्य की आधारशिला बताया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की दो महिला कार्मिकों, सुश्री आकांक्षा रावत एवं श्रीमती राखी को उनकी समर्पित सेवाओं और उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. नवीन चंद लोहनी के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. नागेंद्र गंगोला ने किया। प्रो. डिंगर सिंह फर्स्वाण के समन्वय में संपन्न इस संगोष्ठी में कुलसचिव, सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक और शोधार्थी उपस्थित रहे। अंत में डॉ. सीता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## स्वच्छता केवल व्यवहार नहीं, सामूहिक उत्तरदायित्व है: प्रो. लोहनी

### यूओयू में 'समाज, स्वच्छता एवं सतत् विकास लक्ष्य' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित “समाज, स्वच्छता एवं सतत् विकास लक्ष्य: एक समाजशास्त्रीय चिंतन” विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का 'सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत सभागार' में भव्य आयोजन हुआ। संगोष्ठी में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए विद्वानों और शोधार्थियों ने गहन मंथन किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि समाज की संरचना और संस्कृति को समझे बिना स्वच्छता एवं विकास के लक्ष्यों को स्थायी रूप से प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसे 'ईश्वरीय अनुभूति' से जोड़ा।

मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. पचौरी और मुख्य वक्ता प्रो. जे.के. पुण्डीर ने स्वच्छता को भौतिक के साथ-साथ मानसिक और सांस्कृतिक स्तर पर अपनाने पर जोर दिया।

प्रो. इन्दु पाठक और प्रो. अराधना शुक्ला ने इसके सामाजिक मूल्यों एवं मनोवैज्ञानिक पक्षों को रेखांकित किया। इस अवसर पर संगोष्ठी की 'स्मारिका' का औपचारिक विमोचन भी किया गया संगोष्ठी में दो दिनों के दौरान कुल 7 तकनीकी सत्र आयोजित हुए, जिनमें 70 से अधिक शोधपत्रों का वाचन किया गया।

संगोष्ठी में स्वच्छता, सामाजिक व्यवहार, नीति निर्माण और पर्यावरणीय संतुलन जैसे गंभीर विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। 18 मार्च को समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. अतवीर सिंह (मेरठ) ने सामाजिक व्यवहार परिवर्तन को सतत विकास की कुंजी बताया। विशिष्ट वक्ता प्रो. ज्योति जोशी और प्रो. इला साह ने जनभागीदारी का आह्वान किया। संयोजक प्रो. रेनू प्रकाश ने संगोष्ठी की रूपरेखा रखी, जबकि कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नागेंद्र गंगोला ने किया। इस अवसर पर प्रो. राकेश रयाल, प्रो. पी.डी. पंत, प्रो. डिगर सिंह फर्सवाण सहित विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक व प्राध्यापक उपस्थित रहे।

# वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही संभव है आत्मनिर्भर भारत का निर्माण, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर यूओयू में विमर्श

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा और 'विज्ञान भारती' (VIBHA) के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर एक भव्य विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में भारतीय ज्ञान परंपरा, आधुनिक शिक्षा प्रणाली और शोध के माध्यम से वैज्ञानिक सोच को धरातल पर उतारने का संकल्प लिया गया।

मुख्य वक्ता प्रो. कमल किशोर पाण्डेय ने महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन के योगदान को याद करते हुए कहा कि ऊर्जा संरक्षण, मेडिकल साइंस और नवाचार आधारित शिक्षा ही राष्ट्र को प्रगतिशील बना सकती है। उन्होंने युवाओं में जिज्ञासा और तर्कशीलता विकसित करने का आह्वान किया। प्रो. कमल देवलाल ने विश्वविद्यालय की पहुँच का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यूओयू के माध्यम से वैज्ञानिक सोच को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। प्रो. पी.डी. पंत एवं डॉ. मीनाक्षी राणा ने उच्च शिक्षा में अनुसंधान की आवश्यकता, वैज्ञानिक जागरूकता और प्रमुख महिला शोध योजनाओं पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने विज्ञान विद्याशाखा और विभा (VIBHA) के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय में अंतर्विषयी शोध (Interdisciplinary Research) और नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया, ताकि शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित हो सकें। प्रो. अरविन्द भट्ट के संचालन और प्रो. प्रवेश कुमार सहगल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम में प्रो. डिगर सिंह, प्रो. मदन मोहन जोशी, प्रो. आशुतोष भट्ट, प्रो. जीतेन्द्र पांडे, प्रो. गगन सिंह सहित समस्त संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# समावेशी समाज के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका: कुलपति

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा (विशेष शिक्षा विभाग) द्वारा 'समावेशी समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, मुख्य अतिथि प्रो. अतुल जोशी (डीन, कुमाऊं विश्वविद्यालय) एवं प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि शिक्षक बालक को संस्कारित कर प्रारंभ से ही समाज को समावेशी बनाने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में सभी हितधारकों को अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता प्रो. अतुल जोशी ने समावेशी शब्द को 'सबका समाज, सबके लिए समाज' के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने शिक्षक के दायित्वों को कक्षा से बाहर भी प्रभावी बताते हुए समय के साथ अनुकूलन की आवश्यकता पर बल दिया। निदेशक प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण ने तकनीकी और शिक्षा के समन्वय से समावेशी वातावरण निर्माण पर विचार रखे। इससे पूर्व डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने शिक्षा के मौलिक अधिकार एवं समावेशन पर कार्यक्रम का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अंकिता सिंह और धन्यवाद ज्ञापन सुश्री निशा राणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. रेनू प्रकाश, डॉ. कल्पना लखेड़ा, डॉ. देवकी सिरोला सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# मातृभाषा का उन्नयन ही वैश्विक पहचान का आधार: प्रो. लोहनी

'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' की पूर्व संध्या पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 'मातृभाषा उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर देते हुए घोषणा की कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही प्राकृत, पालि जैसी प्राचीन भाषाओं

के साथ जापानी, चीनी और स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाओं के रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। डॉ. शिव कुमार सिंह (लिस्बन वि.वि., पुर्तगाल) ने कहा कि मातृभाषा नवाचार के लिए प्रेरित करती है और मनुष्य की अस्मिता का हिस्सा है। डॉ. रामप्रकाश भट्ट (हैम्बर्ग वि.वि., जर्मनी) ने कहा कि भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति और ज्ञान परंपरा का भंडार है।

प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे ने कहा कि भाषाई विविधता वैश्विक संस्कृति को समझने का संज्ञानात्मक आधार है। कार्यक्रम का शुभारंभ 'मातृभाषा हस्ताक्षर अभियान' से हुआ। संगीत विभाग ने 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' और कुमाऊंनी-गढ़वाली गीतों से समां बांधा। बहुभाषी काव्यपाठ में संस्कृत, उर्दू, अवधी और भोजपुरी सहित कई भाषाओं में रचनाएँ प्रस्तुत की गईं। शोधार्थियों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में विकास जोशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डॉ. शशांक शुक्ल के विषय प्रवेश और डॉ. राजेंद्र कैड़ा के संचालन में संपन्न इस उत्सव में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक व कार्मिक उपस्थित रहे।

# एआई युग में पाठ्यक्रम निर्माण पर विशेष व्याख्यान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (सीआईक्यूए) द्वारा "Curriculum Design In The Age Of AI for Open & Distance Learning" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृत्रिम मेधा (AI) के युग में पाठ्यक्रम निर्माण, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की बदलती आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. बी. एस. बालाजी उपस्थित रहे। व्याख्यान में एआई आधारित शिक्षण, व्यक्तिगत एवं लचीले अधिगम, डिजिटल प्लेटफॉर्म, डेटा एनालिटिक्स तथा तकनीक-सम्मत पाठ्यक्रम विकास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही शिक्षार्थी-केंद्रित, कौशल आधारित तथा परिणामोन्मुख शिक्षा की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा में कृत्रिम मेधा के प्रभावी उपयोग, वर्चुअल लैब्स, डिजिटल कंटेंट तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों पर भी विचार साझा किए गए। शिक्षकों के लिए एआई के अनुप्रयोगों पर एक प्रायोगिक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

यह आयोजन विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण, नवाचारी एवं तकनीक-सम्मत शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में संपन्न हुआ।

# NAAC के नए मैट्रिक्स पर मंथन

## CIQA ने संकाय सदस्यों हेतु आयोजित किया विशेष व्याख्यान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र (CIQA) द्वारा "NAAC में नए मैट्रिक्स और चुनौतियाँ" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य संकायसदस्यों को राष्ट्रीय प्रत्यायन प्रक्रिया (Accreditation) में होने वाले नवीन परिवर्तनों और आगामी मूल्यांकन की चुनौतियों के लिए तैयार करना था।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अंकुर सक्सेना (महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय) ने बताया कि डॉ. के. राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों के आधार पर अब पारंपरिक ग्रेडिंग के स्थान पर दो-चरणीय प्रणाली लागू की जा रही है। इसमें प्रथम चरण में 'बाइनरी प्रत्यायन' और दूसरे चरण में 'मैच्योरिटी आधारित ग्रेडेड प्रत्यायन' (स्तर 1 से 5) शामिल है। उन्होंने 'वन नेशन वन डेटा' (ONOD) प्लेटफॉर्म की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य में पारदर्शिता और डेटा संकलन में सुगमता के लिए साझा प्लेटफॉर्म का उपयोग होगा।

नई व्यवस्था में भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS), हरित पहल और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों को मूल्यांकन में प्रमुखता दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक CIQA प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे ने की। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में 'B++' ग्रेड प्राप्त करने के बाद विश्वविद्यालय अब वर्ष 2027 में होने वाले अगले मूल्यांकन के लिए अभी से रणनीतिक तैयारी कर रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक प्रो. गगन सिंह सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरजा सिंह द्वारा किया गया।

## सुशासन और ग्रामीण विकास पर व्याख्यान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र 'सीका' (CIQA) द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत "सुशासन और ग्रामीण विकास" विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में IIM बेंगलुरु के पूर्व अकादमिक निदेशक प्रो. त्रिलोचन शास्त्री ने अपने अनुभव साझा किए। प्रो. त्रिलोचन शास्त्री ने सुशासन को नागरिक कर्तव्यों से जोड़ते हुए कहा कि ग्रामीणों को केवल सेवा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें कौशल (Skill) प्रदान करना अनिवार्य है।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के 'अमृतस्य पुत्र' का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक ग्रामीण समाज संगठित होकर वैश्विक बाजार की जरूरतों के अनुरूप उत्पादों का विकास नहीं करेगा, तब तक वास्तविक आर्थिक उन्नति संभव नहीं है। उन्होंने चुनावी खर्चों में कमी लाने और पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर भी बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि सुशासन तभी सार्थक है जब नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित न रहकर आम जन के व्यवहार और अभ्यास का हिस्सा बनें। उन्होंने समावेशी विकास के लिए 'नागरिक-केंद्रित मॉडल' अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सीका (CIQA) के निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. गगन सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक और कार्मिक उपस्थित रहे।

# 'ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी एवं NSQF' पर विशेष व्याख्यान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (सीआईक्यूए) द्वारा "ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी एवं नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (NSQF) तथा भारतीय स्किलिंग इकोसिस्टम में NCVET की भूमिका" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की। इस अवसर पर एनसीवीईटी, नई दिल्ली से प्रो. अशोक कुमार गाबा एवं श्री अमित शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। व्याख्यान में कौशल आधारित शिक्षा, रोजगारपरक अधिगम तथा राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने उच्च शिक्षा को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने, विद्यार्थियों में व्यावहारिक दक्षताओं के विकास तथा कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की गुणवत्ता उन्नयन पहलों पर भी प्रकाश डाला गया। इसमें शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

## कार्यशाला

# एआई (AI) और वैज्ञानिक तर्कशीलता पर कार्यशाला

## नई ऊंचाइयों पर यूओयू का अनुसंधान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय 'शोध प्रगति समीक्षा कार्यशाला' का 19 फरवरी 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला के अंतिम दिन वैश्विक विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय पर जोर देते हुए शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया। प्रथम तकनीकी सत्र में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. शिवानंद कंवाई ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास क्रम और अनुसंधान में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे एआई आधारित उपकरण डेटा विश्लेषण में सटीकता लाकर शोध की गुणवत्ता और नवाचार को नई दिशा दे रहे हैं।

द्वितीय सत्र में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डॉ. रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा ने "विज्ञान क्या है और उसे वैज्ञानिक क्या बनाता है" विषय पर चिंतनपरक व्याख्यान दिया। उन्होंने तर्कशीलता, सत्यापन की प्रक्रिया और अनुसंधान पद्धति को ही वैज्ञानिकता की मूल कसौटी बताया।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति महोदय ने शोधार्थियों को निर्देशित किया कि वे कार्यशाला से अर्जित इस तकनीकी और वैचारिक ज्ञान को अपनी आगामी छह माह की प्रगति में प्रभावी रूप से लागू करें। उन्होंने विश्वविद्यालय में शोध की उत्कृष्टता को निरंतर सुदृढ़ करने पर बल दिया। निदेशक (शोध) ने शोध में मौलिकता, नैतिकता और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया। सहायक शोध निदेशक डॉ. एस. एन. ओझा के सफल संचालन के साथ संपन्न हुई इस कार्यशाला में सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, सहायक निदेशक और उपनिदेशक उपस्थित रहे।

# IIT बॉम्बे और UOU के साझा प्रयासों से 'आर प्रोग्रामिंग' पर कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, Spoken Tutorial (IIT बॉम्बे) और विश्वविद्यालय के CIQA विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'आर प्रोग्रामिंग' पर एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों और शोधार्थियों को भविष्य की आधुनिक डेटा विश्लेषण तकनीकों से लैस करना था।

श्रीमती आकांक्षा सैनी (IIT बॉम्बे) ने "भविष्य की तैयारी के लिए AI एवं ICT के माध्यम से शिक्षा में परिवर्तन" पर व्याख्यान देते हुए डिजिटल तकनीक को शिक्षा प्रणाली का आधार बताया। डॉ. अनुपमा मिश्रा (SRHU) ने रिसोर्स पर्सन के रूप में उन्होंने आर प्रोग्रामिंग, सांख्यिकीय मॉडलिंग और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

प्रो. दुर्गेश पन्त (महानिदेशक, UCOST) ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर उन्होंने डेटा आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित किया।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने आर प्रोग्रामिंग को शोध और अकादमिक क्षेत्र की अनिवार्य भाषा बताया। उन्होंने भविष्य में उभरती तकनीकों पर नियमित प्रशिक्षण आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। सीका (CIQA) निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने डिजिटल युग में डेटा आधारित निर्णय-निर्माण को अनिवार्य बताया। स्वागत भाषण निदेशक प्रो. जीतेंद्र पांडे ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आशुतोष कुमार भट्ट ने प्रस्तुत किया। डॉ. बालम सिंह दफौटी के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. पी. डी. पन्त, प्रो. डी. एस. फर्स्वाण सहित कई वरिष्ठ शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

# कुमाऊँ क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों हेतु क्षमता वर्धन कार्यशाला

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय मुख्यालय, हल्द्वानी में अध्ययन केन्द्रों के सुदृढ़ संचालन तथा शिक्षार्थी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा एवं कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी द्वारा किया गया।

कार्यशाला के दौरान नई शिक्षा नीति, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, डिजिटल शिक्षण, अध्ययन केन्द्रों की भूमिका तथा शिक्षार्थी सहायता सेवाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, MOOCs पाठ्यक्रमों, अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग तथा नवाचार आधारित कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की गई। विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रवेश प्रक्रिया, अध्ययन सामग्री वितरण, परीक्षा प्रणाली, ऑनलाइन सेवाओं तथा प्रचार-प्रसार संबंधी विषयों पर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में कुमाऊँ क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में अध्ययन केन्द्रों को अधिक सक्रिय, सशक्त एवं शिक्षार्थी-केंद्रित बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

# गढ़वाल क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों हेतु क्षमता वर्धन कार्यशाला

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर, देहरादून में गढ़वाल क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों के लिए क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य अध्ययन केन्द्रों के संचालन को सुदृढ़ करना, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाना तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की पहुंच को व्यापक बनाना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड राज्य उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र भसीन उपस्थित रहे। इस अवसर पर यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. गोविंद सिंह एवं प्रो. सविता मोहन सहित अनेक शिक्षाविदों ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शोध तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग से संबंधित विषयों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यशाला में प्रवेश प्रक्रिया, अध्ययन सामग्री वितरण, परीक्षा प्रणाली, क्षेत्रीय सेवाओं, प्रचार-प्रसार तथा शिक्षार्थी सहायता सेवाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में गढ़वाल क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों, क्षेत्रीय अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। अध्ययन केन्द्रों को अधिक सक्रिय, प्रभावी एवं शिक्षार्थी-केंद्रित बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

# पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास हेतु कुलपति ने शिक्षार्थियों को किया प्रेरित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान) की प्रयोगात्मक कार्यशाला के दौरान माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने शिक्षार्थियों से सीधा संवाद किया। कुलपति ने दिल्ली जैसे महानगरों में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कुलपति जी ने शिक्षार्थियों से फीडबैक लिया और उन्हें आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय छात्रहित में निरंतर प्रयासरत है। इससे पूर्व निदेशक प्रो. पी.डी. पंत ने प्रायोगिक ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एच.सी. जोशी ने बताया कि दो चरणों में आयोजित इस कार्यशाला में प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के 50 शिक्षार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

व्यावहारिक ज्ञान हेतु शैक्षणिक भ्रमण: शिक्षार्थियों की व्यावहारिक क्षमता विकसित करने हेतु दो प्रमुख अनुसंधान केंद्रों का भ्रमण कराया गया ।आर्यभट्ट प्रेक्षणीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान (ARIES), नैनीताल में डॉ. बीना तिवारी फुलारा, डॉ. प्रीति पंत एवं डॉ. खष्टी डसीला के मार्गदर्शन में छात्रों ने खगोलीय उपकरणों और वायुमंडलीय अनुसंधान की बारीकियों को समझा। वन अनुसंधान केंद्र, लालकुआँ में डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा, डॉ. नेहा तिवारी एवं डॉ. दीप्ति नेगी के नेतृत्व में छात्रों ने पॉपलर क्लोन तकनीक, मियावाकी मॉडल और औषधीय उद्यानों का अवलोकन किया। संवाद कार्यक्रम का संचालन डॉ. एच.सी. जोशी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के समस्त प्राध्यापक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

# स्नातक रोजगार क्षमता कौशल विकास पर कार्यशाला

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA) के संयुक्त तत्वावधान में “Graduate Employability and Result-Based Management (RBM) Framework” विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। 02 से 04 फरवरी 2026 तक चलने वाली इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पाठ्यक्रमों को उद्योग की बदलती अपेक्षाओं और

डिजिटल साक्षरता के अनुरूप तैयार करना रहा । कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नवीन चंद लोहानी, अकादमिक निदेशक प्रो. पी.डी. पन्त, सीईएमसीए के निदेशक डॉ. बी. शद्रक और विशेषज्ञ प्रो. राजेश पी. खंबायत द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. लोहनी ने राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCRF) के अनुरूप लचीले और कौशल-उन्मुख पाठ्यक्रमों के डिजाइन पर जोर दिया। डॉ. बी. शद्रक (CEMCA) ने कहा कि 'परिणाम-आधारित प्रबंधन' (RBM) संस्थानों को केवल ज्ञान देने के बजाय वास्तविक कार्यस्थल दक्षता विकसित करने पर केंद्रित करता है। प्रो. पी.डी. पन्त ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ODL) में रोजगारपरक शिक्षण परिणामों की आवश्यकता पर बल दिया।

आयोजन सचिव डॉ. गोपाल दत्त ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यशाला के प्रथम दिन पाठ्यक्रम मूल्यांकन और योग्यता-आधारित डिजाइन पर गहन मंथन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक और प्राध्यापक उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशाल कुमार शर्मा ने किया।

# POSH अधिनियम-2013 पर एक दिवसीय कार्यशाला

## सुरक्षित कार्यस्थल की ओर कदम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र, आंतरिक शिकायत समिति एवं महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में 'पीओएसएच (POSH) अधिनियम 2013' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक कार्यस्थल प्रदान करने के साथ-साथ यौन उत्पीड़न के विरुद्ध प्रभावी निवारण तंत्र की जानकारी देना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नवीन चंद लोहनी के संरक्षण में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे (संयोजक, समान अवसर प्रकोष्ठ) एवं संचालन डॉ. नागेंद्र गंगोला द्वारा किया गया।

मुख्य वक्ता श्रीमती हीरा जंगपांगी, अध्यक्ष, महिला कल्याण संस्थान ने कहा कि POSH नीति समानता को मान्यता देती है। यह न केवल महिलाओं बल्कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए भी एक सुरक्षित और सकारात्मक कार्य वातावरण सुनिश्चित करती है। प्रो. पी.डी. पन्त, निदेशक अकादमिक ने 'प्रभाव बनाम इरादा' (Impact vs Intent) के मूल नियम को समझाते हुए अपमानजनक व्यवहारों से निपटने के कानूनी तरीकों पर प्रकाश डाला। प्रो. रेनू प्रकाश, निदेशक, समाज विज्ञान ने स्वागत उद्बोधन में 2013 के इस अधिनियम के अद्यतन कार्यान्वयन और कोर्ट के नवीनतम दिशा-निर्देशों की प्रासंगिकता बताई। प्रो. डिगर सिंह फर्सवाण, समन्वयक ने तकनीकी सत्र में बताया कि 10 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रत्येक संस्थान में आंतरिक समिति (IC) का गठन अनिवार्य है। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में आधुनिक कॉर्पोरेट और सरकारी कार्यसंस्कृति में लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने पर चर्चा हुई। प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, प्राध्यापक और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में डॉ. नीरज जोशी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

# UOU में तीन दिवसीय शोध कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में पीएचडी शोधार्थियों की छह-मासिक प्रगति समीक्षा (Progress Review) के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के प्रथम दिन विशेषज्ञों ने शोध की नैतिकता और बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) जैसे समसामयिक विषयों पर गहन मंथन किया।

तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता, कुमाऊं विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार निदेशक डॉ. नंद गोपाल साहू ने शोधार्थियों को नवाचार की सुरक्षा के मंत्र दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी मौलिक शोध कार्य को सार्वजनिक या प्रकाशित करने से पूर्व उसका पेटेंट (Patent) फाइल करना अत्यंत आवश्यक है। इससे शोध को अनधिकृत कॉपी या पुनरुत्पादन से सुरक्षित रखा जा सकता है।

डॉ. साहू ने कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और ट्रेड सीक्रेट्स के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए 'पेपर रिट्रैक्शन' (शोध-पत्रों का वापस लिया जाना) के खतरों से भी आगाह किया। उन्होंने बताया कि अनैतिक शोध न केवल लेखक की विश्वसनीयता को समाप्त करता है, बल्कि अकादमिक जगत की साख को भी नुकसान पहुँचाता है।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने शोधार्थियों को व्यवस्थित शोध के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर शोध निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे और अकादमिक निदेशक प्रो. पी.डी. पंत ने भी विचार साझा किए। कार्यशाला में बड़ी संख्या में शोधार्थियों ने व्यावहारिक और नैतिक शोध के गुर सीखे।

# पत्रकारिता एवं जनसंचार की शोध कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा एमए (पत्रकारिता एवं जनसंचार) के विद्यार्थियों के लिए चार दिवसीय अनिवार्य शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध प्रबंध (डिजर्टेशन) लेखन की वैज्ञानिक पद्धतियों, शोध प्रक्रिया तथा व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना था। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं ने शोध में रुचि, मौलिकता, साहित्य पुनरावलोकन तथा उभरती प्रौद्योगिकियों और डिजिटल रिसर्च टूल्स के प्रभावी उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यार्थियों को शोध कार्य में अनुशासन, गंभीरता एवं अकादमिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यशाला का संचालन पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो. राकेश चन्द्र रयाल के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षकों एवं विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए शोध की गुणवत्ता और समकालीन शोध पद्धतियों पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए शोध कार्य की तैयारी और अकादमिक दक्षता विकसित करने की दिशा में उपयोगी सिद्ध हुई।

# पत्रकारिता विभाग की चार दिवसीय ऑनलाइन शोध कार्यशाला

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय ऑनलाइन शोध कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। 6 से 9 जनवरी 2026 तक चली इस कार्यशाला में एम.ए. पत्रकारिता (चतुर्थ सेमेस्टर) के विद्यार्थियों को लघु शोध प्रबंध (Dissertation) के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। विभाग के निदेशक प्रो. राकेश चन्द्र रयाल के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में संचार शोध की अवधारणा, विषय चयन और शोध प्रविधि पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रो. रयाल ने विद्यार्थियों को शोध की बारीकियों से अवगत कराते हुए एक प्रभावी लघु शोध प्रबंध तैयार करने के गुर सिखाए। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए। डॉ. घनश्याम जोशी ने शोध के प्रकारों, डॉ. सीता ने शोध डिजाइन और डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा ने शोध संदर्भ एवं ग्रंथ सूची लेखन पर प्रकाश डाला। वहीं, डॉ. दीपांकर जोशी ने शोध नैतिकता एवं साहित्यिक चोरी (Plagiarism)

के प्रति शिक्षार्थियों को जागरूक किया। कार्यशाला के अंतिम सत्र में डॉ. नीरजा सिंह ने रिपोर्ट लेखन की प्रक्रिया समझाई। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और शोध क्षमता विकास की दृष्टि से इसे अत्यंत उपयोगी बताया। विभाग के शिक्षकों और विशेषज्ञों

के मार्गदर्शन में संपन्न हुई यह कार्यशाला विद्यार्थियों के अकादमिक उन्नयन में सहायक सिद्ध होगी।

## जन्तु विज्ञान विषय की प्रायोगिक कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के विज्ञान भवन में दिनांक 2 जनवरी 2026 से जंतु विज्ञान की दस दिवसीय प्रायोगिक कार्यशाला शुरू हुई, जबकि वनस्पति विज्ञान की कक्षाएं 1 जनवरी से प्रारंभ मे संपन्न हुई, और भौतिक व रसायन विज्ञान की कार्यशालाएं एम.बी.पी.जी. कॉलेज में संचालित हैं। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने किया। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा में प्रायोगिक ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए कक्षाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रो. अरविंद भट्ट, प्रो. कमल देवलाल, डॉ. एस.एस. कुंजवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

## सामाजिक शोध की बारीकियों से रूबरू हुए शिक्षार्थी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र पंचम सेमेस्टर के शिक्षार्थियों हेतु आयोजित तीन दिवसीय शोध परियोजना कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य केंद्र सामाजिक शोध की वैज्ञानिक पद्धतियों और अकादमिक अनुशासन को व्यावहारिक रूप से समझाना रहा। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने शोध की मौलिकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों को केवल डिग्री के लिए नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान खोजने के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध करना चाहिए।

**विशेषज्ञों का मार्गदर्शन:**

निदेशक अकादमिक ने शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली और शोध परियोजना के सटीक मूल्यांकन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण ने नई शिक्षा नीति (NEP-2020) के संदर्भ में शोध की बदलती भूमिका और इसकी महत्ता को रेखांकित किया। प्रो. रेनू प्रकाश ने विभागीय शिक्षकों और बाह्य विशेषज्ञों के साथ मिलकर शोध के विभिन्न चरणों—विषय चयन, डेटा संग्रह और विश्लेषण—पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला के समापन पर शिक्षार्थियों ने साझा किया कि इस आयोजन से उन्हें शोध कार्यों में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को समझने में मदद मिली है। यह कार्यशाला विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

# गृह विज्ञान विभाग की कार्यशाला

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एम.एससी. (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) की कार्यशाला का 8 जनवरी 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कार्यशाला का सूक्ष्म निरीक्षण कर शिक्षार्थियों के उत्साह एवं उनकी प्रयोगात्मक दक्षता की सराहना की। कुलपति प्रो. लोहनी ने निरीक्षण के दौरान कहा कि यह कार्यशाला वर्तमान शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं कौशल-आधारित शिक्षा (Skill-based Education) के पूर्णतः अनुरूप है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी गतिविधियाँ दूरस्थ

शिक्षा के शिक्षार्थियों के आत्मविश्वास और दक्षता को विकसित करने में मील का पत्थर साबित होती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को निरंतर नवाचार और गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल ने शिक्षार्थियों से सीधा संवाद किया और बताया कि यह प्रशिक्षण न केवल अकादमिक विकास, बल्कि रोजगारपरक कौशलों के सृजन में भी सहायक है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डी.एस.बी. परिसर नैनीताल की प्रो. लता पांडे तथा पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. के.के. पांडे उपस्थित रहे, कार्यशाला का सफल आयोजन विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी, डॉ. ज्योति जोशी और डॉ. पूजा भट्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव, वित्त नियंत्रक एवं अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

# शोध उत्कृष्टता और पारदर्शिता के नए युग का सूत्रपात

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय शोध और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और पारदर्शिता के नए मानक स्थापित कर रहा है। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के नवीन मानकों के अनुसार एनटीए-नेट (NTA-NET) आधारित पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया 17 फरवरी 2026 से ऑनलाइन सम्पन्न हुई। कुलपति प्रो. लोहनी ने बताया कि विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया । इसमें देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ जैसे प्रो. शिवानंद कनवी (पूर्व वाइस प्रेसिडेंट, TCS), प्रो. आर.पी. बहुगुणा (जामिया मिलिया इस्लामिया) और प्रो. एस.एस. सामंत (पूर्व निदेशक, HPFRI) शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया ।

विश्वविद्यालय ने शोध कार्यों के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक बजट प्रावधान किया है। इसमें 'बेस्ट रिसर्च पेपर अवार्ड' और लघु शोध परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन राशि शामिल है।

वर्तमान में 4 शोधार्थियों को 'मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन' और 9 शोधार्थियों को 'जेआरएफ/एनएफएससी' फेलोशिप प्राप्त हो रही है। शोध में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS), SPSS पाठ्यक्रम और 'ड्रिलबिट-एक्सट्रीम' प्लेजरिज़्म सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। पुस्तकालय को अद्यतन करने के लिए भी विश्वविद्यालय द्वारा विशेष बजट की व्यवस्था की गई है। प्रो. लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य स्थानीय आकांक्षाओं और वैश्विक मानकों के बीच समन्वय स्थापित करना है। वर्तमान में 26 विषयों में पीएचडी कार्यक्रम संचालित हैं, जहाँ 128 शोधार्थी ज्ञान के नए क्षितिज तलाश रहे हैं। प्रेस वार्ता में निदेशक शोध प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट भी उपस्थित रहे।

# यूओयू में ब्लूम्स टैक्सोनॉमी के तहत कार्यशाला

दिनांक 25 जून 2026 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के "Development Of Question Paper Using Bloom's Taxonomy" में परीक्षा विभाग द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य Bloom's Taxonomy के द्वारा प्रश्न पत्र को कैसे तैयार करना है? इस प्रश्न का समाधान करना रहा।

स्वागत भाषण प्रो0 पी० डी ० पंत ने दिया। Controller of Examination प्रोफेसर सोमेश कुमार ने संक्षिप्त रूप से प्रश्न पत्र निर्माण की रूपरेखा के बारे में बताया।

मुख्यातिथि प्रोफेसर संदीप सिंह रावत जी ने प्रश्न पत्र, असाइनमेंट, NAAC Accreditation UGC approval के बारे में बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रोफेसर गिरजा पांडे द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने शिक्षा और शिक्षा का मूल्यांकन किस तरीके से किया जाता है उसके बारे में बताया। वोट ऑफ़ थैंक्स प्रोफेसर आशुतोष कुमार भट्ट द्वारा दिया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ सुमित प्रसाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो गिरिजा पाण्डे, प्रोफेसर पी.डी.पन्त, प्रोफेसर अरविंद भट्ट, डॉ कल्पना लखेरा, डॉ सुनील कुमार, डॉ ज्योति रानी, डॉ राजेंद्र क़ेड़ा, रंजना जोशी, दिव्या गॉर, रमनलोशाली, दीपक पंत और अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे।

# विश्वविद्यालय विशेष अध्ययन केंद्र

## हल्द्वानी उप-कारागार में UOU अध्ययन केंद्र का शुभारंभ
## जेल की चहार दीवारी में जलेगी ज्ञान की लौ

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने 'शिक्षा सबका अधिकार' के संकल्प को साकार करते हुए उप-कारागार हल्द्वानी में बंद कैदियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने की एक ऐतिहासिक पहल की है। विश्वविद्यालय द्वारा जेल परिसर में एक विशेष अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है, जहाँ निरुद्ध कैदी अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे। निशुल्क शिक्षा और पुनर्वास: क्षेत्रीय सेवा निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डे ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य समाज के हर वंचित वर्ग तक शिक्षा पहुँचना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षा के माध्यम से कैदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और वे रिहाई के बाद समाज की मुख्यधारा से गौरवपूर्ण तरीके से जुड़ सकेंगे। सहायक क्षेत्रीय निदेशक रेखा बिष्ट ने जानकारी दी कि इस केंद्र के माध्यम से कैदियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रवेश दिया जा रहा है।

जेल अधीक्षक श्री प्रमोद कुमार एवं डिप्टी जेलर श्री अमित कुमार व श्री रचित बाउंटियल ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे कैदियों के पुनर्वास की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि जेल के भीतर ज्ञान का प्रकाश फैलने से बंदियों की सोच में सकारात्मक बदलाव आएगा। अतिरिक्त निदेशक प्रो. एम.एम. जोशी ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर कारागार प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और प्रवेश के इच्छुक कैदी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह पहल न केवल कैदियों के भविष्य को संवारने का माध्यम बनेगी, बल्कि सामाजिक न्याय और शैक्षिक सुलभता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

# उप कारागार हल्द्वानी में पुस्तक वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के हल्द्वानी क्षेत्रीय केन्द्र के अंतर्गत संचालित विशेष अध्ययन केन्द्र, उप कारागार हल्द्वानी में शिक्षार्थियों के लिए पुस्तक वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय की पूर्व जागरूकता पहल से प्रेरित होकर उप कारागार के 17 बंदियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उच्च शिक्षा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को शिक्षा से जोड़ने तथा उनके पुनर्वास और व्यक्तित्व विकास में शिक्षा की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई।

कार्यक्रम के अंत में जनवरी 2026 सत्र में पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। साथ ही उप कारागार की पुस्तकालय के लिए 180 पुस्तकें निःशुल्क प्रदान की गईं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं कारागार प्रशासन के अधिकारी तथा शिक्षार्थी उपस्थित रहे।

# रुड़की और देहरादून में खुले UOU के नए अध्ययन केंद्र

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा की पहुँच को और अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से रुड़की और देहरादून क्षेत्र में दो नए अध्ययन केंद्र स्थापित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की है। इस हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय में औपचारिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज, हरिद्वार (रुड़की क्षेत्र) प्राचार्य प्रो. सुनील बत्रा ने विश्वविद्यालय के साथ समन्वय स्थापित किया। जी.आर.डी. गर्ल्स डिग्री कॉलेज, देहरादून (देहरादून क्षेत्र) के कैंपस निदेशक श्री सिद्धांत चमोली ने MoU पर हस्ताक्षर किए।

माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने देहरादून स्थित जी.आर.डी. गर्ल्स डिग्री कॉलेज में छात्राओं हेतु समर्पित विशेष केंद्र की स्थापना को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य में महिला शिक्षा, सशक्तिकरण एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम साबित होगी। कुलपति महोदय ने रेखांकित किया कि इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय विद्यार्थियों को शैक्षणिक परामर्श, अध्ययन सामग्री और प्रशासनिक सुविधाएँ अब उनके घर के समीप ही उपलब्ध होंगी। एमओयू हस्ताक्षर के दौरान कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट, क्षेत्रीय सेवा निदेशालय के निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डेय, अतिरिक्त निदेशक प्रो. एम.एम. जोशी, प्रो. पी.डी. पंत, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सोमेश कुमार और प्रो. राकेश रयाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# आदर्श अध्ययन केंद्र हल्द्वानी (16000) द्वारा दीक्षारंभ कार्यक्रम

## नवप्रवेशित शिक्षार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के आदर्श अध्ययन केन्द्र, हल्द्वानी द्वारा नवप्रवेशित शिक्षार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अध्ययन सुविधाओं तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत के साथ हुआ। विभिन्न सत्रों में शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रमों, परीक्षा प्रणाली, अध्ययन सामग्री वितरण, कार्यशालाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा ऑनलाइन डिस्टेंस लर्निंग प्रणाली से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही स्व-अध्ययन सामग्री, डिजिटल संसाधनों तथा शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के प्रभावी उपयोग पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

# शनिवार-रविवार (सप्ताहांत) ऑफलाइन परामर्श सत्रों का आयोजन

आदर्श अध्ययन केंद्र हल्द्वानी – 16000 द्वारा नवप्रवेशित शिक्षार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन दिनांक 17 अप्रैल 2026 को किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 175 शिक्षार्थियों ने सहभागिता की, जिनमें से 115 शिक्षार्थी ऑफलाइन तथा 60 शिक्षार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। इसके उपरांत, जो शिक्षार्थी 17 अप्रैल 2026 को आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो सके थे, उनके लिए पुनः 26 अप्रैल 2026 को दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 120 शिक्षार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 40 ऑफलाइन एवं 80 ऑनलाइन प्रतिभागी सम्मिलित रहे।

इन दोनों कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षार्थियों को उनके प्रवेश (Admission), परीक्षा प्रणाली (Examination), पुस्तक वितरण (Books Distribution), असाइनमेंट (Assignment) तथा प्रायोगिक कार्यशालाओं (Practical Workshops) से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को डिजीलॉकर, ई-लर्निंग संसाधनों तथा अन्य डिजिटल सुविधाओं के प्रभावी उपयोग के लिए भी प्रेरित किया। शिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों तथा छात्र सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई| साथ ही इन शिक्षार्थियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई |

विश्वविद्यालय की पहल एवं नवाचारी प्रयोग के अन्तर्गत प्रत्येक शनिवार-रविवार को ऑफलाइन परामर्श सत्रों का आयोजन आदर्श अध्ययन केंद्र हल्द्वानी (16000) द्वारा किया जा रहा है | जिसकी शुरुआत माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार पिछले सत्र जुलाई 2025 में आदर्श अध्ययन केंद्र हल्द्वानी (16000) द्वारा की गई थी| इस अभिनव पहल से शिक्षार्थियों के शैक्षणिक मार्गदर्शन हेतु अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 1100 से अधिक शिक्षार्थियों ने इन विशेष कक्षाओं में सहभागिता की।

वर्तमान सत्र जनवरी 2026 में यह परामर्श सत्र दिनांक 18 अप्रैल 2026 से पुनः प्रारंभ किए। अब आदर्श अध्ययन केंद्र हल्द्वानी – 16000 में पंजीकृत कोई भी शिक्षार्थी इन सत्रों में भाग लेकर संबंधित विषय के विशेषज्ञ शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है। इन सत्रों में विषय संबंधी जानकारी के साथ-साथ विश्वविद्यालय से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्रदान की जाती हैं। वर्तमान सत्र में इन परामर्श सत्रों का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से सुचारू रूप से किया जा रहा है | इन विशेष शनिवार-रविवार परामर्श सत्रों की सराहना न केवल शिक्षार्थियों द्वारा, बल्कि उनके अभिभावकों द्वारा भी की गई है।

# विश्वविद्यालय के विशेष कार्यक्रम

## 'अंतरराष्ट्रीय विज़िटिंग प्रोफेसर फैलोशिप' कार्यक्रम

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैश्विक शैक्षणिक अनुसंधान और सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए "अंतरराष्ट्रीय विज़िटिंग प्रोफेसर फैलोशिप कार्यक्रम" की घोषणा की है। यह अभिनव कार्यक्रम ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ODL) के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को दो सप्ताह के लिए विश्वविद्यालय में आमंत्रित करेगा, जिससे साझा अनुसंधान, कार्यशालाएं और अकादमिक संवाद को नई गति मिलेगी। फरवरी-मार्च 2026 सत्र के लिए इस कार्यक्रम के प्रथम कोहोर्ट के अंतर्गत एक अंतरराष्ट्रीय प्रोफेसर को आमंत्रित किया जाएगा। इस पहल से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों को वैश्विक विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में नवाचार, पाठ्यक्रम विकास और गुणवत्तायुक्त शिक्षण के नए आयामों को समझने का प्रत्यक्ष अवसर प्राप्त होगा।

कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा "उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। यह फैलोशिप न केवल हमारे अकादमिक समुदाय को समृद्ध करेगी, बल्कि वैश्विक शिक्षा जगत में विश्वविद्यालय की एक विशिष्ट पहचान स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगी"।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के वैश्विक नेटवर्क को विस्तार देने और शिक्षण की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

# पुरा छात्र सम्मेलन

## छात्र अधिवेशन में पूर्व शिक्षार्थियों का सम्मान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वार्षिक पूर्व छात्र अधिवेशन का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के पूर्व शिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के मध्य संवाद एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाना तथा विश्वविद्यालय की प्रगति में उनकी सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।

अधिवेशन के दौरान समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र डॉ. एस. के. तनेजा एवं श्रीमती लता बोरा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनके सामाजिक, शैक्षिक एवं जनहितकारी कार्यों की सराहना की गई तथा उन्हें वर्तमान शिक्षार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में पूर्व छात्रों ने अपने शैक्षिक एवं व्यावसायिक अनुभव साझा किए तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर पूर्व छात्र समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बालम दफौटी, सचिव मंजु जोशी, कोषाध्यक्ष गणेश जोशी, कार्यकारी सदस्य चारु जोशी, ललित मोहन, रेखा बिष्ट सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

# योग से स्वस्थ जीवन की ओर
# उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की पहल

## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 पर यूओयू में आयोजित हुआ भव्य योग शिविर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में योग एवं स्वस्थ जीवनशैली को समर्पित भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहानी सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों ने सहभागिता की।

इस वर्ष की थीम "Yoga for Healthy Ageing" पर आधारित कार्यक्रम में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम, ध्यान एवं योगिक क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने कहा कि योग केवल एक दिन का अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

योग विभाग द्वारा 22 मार्च से 21 जून 2026 तक प्रत्येक रविवार निःशुल्क योग शिविर आयोजित किए गए, जिनमें विश्वविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इसके साथ ही 01 जून से 21 जून तक आयोजित 21 दिवसीय योग अभियान के माध्यम से उत्तराखण्ड सहित देश के विभिन्न राज्यों तक योग का संदेश पहुंचाया गया।

आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग सत्र में भी विश्वविद्यालय परिवार ने सहभागिता कर सामूहिक योग प्रयास को मजबूत किया। विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो "हेलो हल्द्वानी 91.2 FM" के माध्यम से योग के वैज्ञानिक महत्व और उपयोगिता पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशिका प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल ने स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। योग विभागाध्यक्ष डॉ. भानु प्रकाश जोशी ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योग गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में योगाभ्यास का संचालन डॉ. नीता दियोलिया एवं शोधार्थी सुश्री मनीषा रावत ने किया। संचालन डॉ. दीपिका कुमार ने किया, कुलसचिव श्री खेमराज भट्ट ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का यह प्रयास योग को जन-जन तक पहुंचाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 पर विश्वविद्यालय में आयोजित विविध कार्यक्रम - एक रिपोर्ट

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में योग विभाग द्वारा मार्च से जून तक विभिन्न योग एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस अवधि में प्रत्येक रविवार निःशुल्क योग शिविर आयोजित किए गए तथा 01 जून से 21 जून तक 21 दिवसीय विशेष योग अभियान संचालित किया गया। इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय परिवार, शिक्षार्थियों, पूर्व शिक्षार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

योग अभियान के अंतर्गत उत्तराखण्ड सहित देश के 10 से अधिक राज्यों में विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं योग साधकों के सहयोग से निःशुल्क योग शिविर आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, ध्यान तथा योगिक जीवनशैली का प्रशिक्षण दिया गया। विश्वविद्यालय ने आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रयास में भी सहभागिता की। साथ ही सामुदायिक रेडियो हेलो हल्द्वानी 91.2 एफएम के माध्यम से योग

विषयक विशेष कार्यक्रमों एवं परिचर्चाओं का प्रसारण कर जनसामान्य को योग के प्रति जागरूक किया गया।21 जून को विश्वविद्यालय परिसर में आयुष मंत्रालय के सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी के नेतृत्व में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास किया। इस अवसर पर "Yoga for Healthy Ageing" विषय पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संदेश साझा किया गया। योग विभागाध्यक्ष डॉ. भानु प्रकाश जोशी ने विभागीय गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा प्रो. मंजरी अग्रवाल ने स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योगाभ्यास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लगभग 300 प्रतिभागी उपस्थित रहे तथा समापन राष्ट्रगान एवं वृक्षारोपण के साथ हुआ।

# सैनिकों एवं उनके परिजनों के लिए विशेष शैक्षिक जागरूकता कार्यक्रम

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने उत्तर भारत एरिया हेडक्वार्टर, बरेली के सैनिक सुविधा परिसर स्थित कारगिल हॉल में आयोजित शैक्षिक जागरूकता कार्यक्रम में सेना अधिकारियों, जवानों तथा उनके परिजनों के साथ संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम का आयोजन बरेली सहित विभिन्न सैनिक केंद्रों में एक साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, रोजगारपरक एवं कौशल विकास कार्यक्रमों, दूरस्थ शिक्षा प्रणाली तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी साझा की गई। प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा, कौशल विकास और आजीवन अधिगम के अवसरों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को गुणवत्तापूर्ण और लचीली शिक्षा उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही सेना से जुड़े शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन केंद्रों के विस्तार, कौशल आधारित कार्यक्रमों तथा शैक्षणिक सहयोग की विभिन्न पहलों की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों तथा सेना के प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सैनिक समुदाय के शैक्षणिक उन्नयन पर विचार साझा किए।

# UOU में अग्निशमन सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अग्निशमन विभाग द्वारा आग से बचाव और रोकथाम के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग के लीडिंग फायरमैन अनुज शर्मा ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कार्मिकों को आग लगने के कारणों और उसे नियंत्रित करने के व्यावहारिक उपायों की विस्तृत जानकारी दी।श्री शर्मा ने बताया कि आग ईंधन, ऑक्सीजन और ताप के मेल से उत्पन्न होती है; इनमें से किसी भी एक तत्व को हटाकर आग बुझाई जा सकती है।

उन्होंने आग के पाँच प्रकारों (ठोस, तरल, गैस, मेटल और इलेक्ट्रिक) के बारे में बताते हुए 'फायर एक्सटिंग्विशर' के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक आग को नियंत्रित करने के लिए मिट्टी, रेत या बेकिंग सोडा का प्रयोग किया जा सकता है। आपातकालीन स्थिति में 112 नंबर पर कॉल कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रो. पांडे ने इस सत्र को परिसर सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी बताया।

# आवाजों की दुनिया से रूबरू हुईं नैनीताल की बालिकाएं

## UOU सामुदायिक रेडियो का शैक्षणिक भ्रमण

पीएमश्री अटल आदर्श बालिका इंटर कालेज, नैनीताल की 11वीं और 12वीं कक्षा की 42 बालिकाओं के दल ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो स्टेशन का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस दौरान बालिकाओं ने न केवल रेडियो की बारीकियों को समझा, बल्कि माइक पर अपनी आवाज दर्ज कर 'आरजे' बनने का अनुभव भी लिया।

रेडियो स्टेशन प्रभारी डॉ. राकेश रयाल ने बालिकाओं को लोक संस्कृति के संरक्षण में सामुदायिक रेडियो की भूमिका के बारे में बताया। आरजे अनिल नैलवाल ने उन्हें ऑडियो एडिटिंग और प्रोग्राम रिकॉर्डिंग के तकनीकी पक्षों से अवगत कराया, जबकि आरजे सुनीता भट्ट ने आवाजों के प्रति संवेदनशीलता और एकाग्रता के महत्व पर चर्चा की। बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक लोकगीत प्रस्तुत किए और माइक हैंडलिंग का अभ्यास किया। भ्रमण के साथ-साथ बालिकाओं ने विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'पॉक्सो (POCSO) एवं पॉश (POSH) एक्ट' कार्यशाला में भी शिरकत की। यहाँ उन्होंने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न कानून और सुरक्षा संबंधी अधिकारों को जाना। साथ ही, योग थेरेपिस्ट डॉ. करुणा चौधरी ने किशोरियों को आहार संबंधी आदतों और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं निमिता आर्या, नीता आर्या, बीना पंत एवं रीता टम्टा भी उपस्थित रहीं। बालिकाओं ने इस भ्रमण को अपने करियर और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

# विश्व रेडियो दिवस पर 'हेलो हल्द्वानी' में गूँजी युवा आवाजें, तकनीक और संस्कृति का अनूठा संगम

विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो केन्द्र 'हेलो हल्द्वानी' ज्ञान, तकनीक और सांस्कृतिक उत्साह का केंद्र बना रहा। इस विशेष अवसर पर ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के 60 मीडिया स्टूडेंट्स और पीएमश्री बालिका इंटर कॉलेज, दौलिया की 100 छात्राओं ने रेडियो की जादुई दुनिया का अनुभव किया। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने अपनी शुभकामनाओं में कहा कि सामुदायिक रेडियो समाज के अंतिम छोर तक सूचना पहुँचाने का सबसे सशक्त माध्यम है और नई पीढ़ी का इससे जुड़ना गौरव की बात है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश चंद्र रयाल ने ग्राफिक एरा के छात्रों को रेडियो के ऐतिहासिक विकास से लेकर आधुनिक 'एआई' (AI) की चुनौतियों तक की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्रों ने स्टूडियो में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया और रेडियो टॉक, ड्रामा व वृत्तचित्र (Documentary) की बारीकियों को समझा। दौलिया की छात्राओं ने स्टूडियो में कुमाऊंनी लोकगीतों की मधुर प्रस्तुति दी और पहली बार माइक्रोफोन का सामना किया। आरजे अनिल नैलवाल और सुनीता भास्कर ने उन्हें आवाज रिकॉर्डिंग के गुर सिखाए।

मनोविज्ञान विभाग के डॉ. ललित मोहन पंत ने छात्राओं को 'एग्जाम स्ट्रेस' से निपटने की 'मेमोरी ट्रिक्स' और एकाग्रता बढ़ाने के उपाय बताए। डॉ. नागेन्द्र गंगोला ने संवाद कौशल (Communication Skills) और गृह विज्ञान विभाग की डॉ. प्रीति बोरा ने किशोरियों के पोषण व स्वास्थ्य पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण साझा किया। प्रधानाचार्या डॉ. भारती नारायण भट्ट ने इस भ्रमण को ग्रामीण छात्राओं के मानसिक क्षितिज को विस्तृत करने वाला एक 'मील का पत्थर' बताया।

# विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ

## नए पाठ्यक्रम असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर कोर्स बनेगा विश्वस्तरीय

### अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सहयोग लेगा UOU

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 'असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर' कोर्स को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाएगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA), नई दिल्ली के बीच 10 जनवरी 2025 को एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईएमसीए के निदेशक डॉ. बी. शैड्रैक ने इस कोर्स के लिए उच्च गुणवत्ता की पाठ्य सामग्री विकसित करने हेतु अकादमिक एवं वित्तीय सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अनुभव के समावेश से यह सामग्री वैश्विक स्तर की होगी। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने इस पहल को राज्य में होमस्टे, ग्रामीण पर्यटन और स्वरोजगार के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने घोषणा की कि यह विशेष पाठ्य सामग्री केवल UOU तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों के साथ भी साझा किया जाएगा ताकि कौशल-आधारित शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिल सके। बैठक में तय हुआ कि सामग्री की समीक्षा अंतरराष्ट्रीय समीक्षकों द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर प्रो. जीतेंद्र पांडे, प्रो. आशुतोष भट्ट, डॉ. गोपाल दत्त और समन्वयक डॉ. मनोज कुमार पांडे उपस्थित रहे। इस कोर्स की समस्त गतिविधियों का संचालन डॉ. मनोज पांडे की टीम द्वारा किया जाएगा।

# केरल में गूँजी UOU की धमक

## असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर' पुस्तिका हुई समीक्षा

श्री नारायणगुरु ओपन यूनिवर्सिटी (केरल) द्वारा आयोजित '5वीं ऑल इंडिया ओपन यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर्स राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस' में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की एक और उपलब्धि जुड़ी। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित और NCVET अनुमोदित "असिस्टेंट होम स्टे मैनेजर" पाठ्यक्रम की 'प्रतिभागी पुस्तिका' एवं 'प्रशिक्षक मार्गदर्शिका' का औपचारिक लोकार्पण किया गया।

यह शिक्षण सामग्री कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (COL), कनाडा तथा CEMCA, नई दिल्ली के सहयोग से तैयार की गई है। लोकार्पण समारोह में केरल की उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. आर. बिंदु, COL के सीईओ प्रो. पीटर स्कॉट (ऑनलाइन), CEMCA निदेशक डॉ. बी. शद्रक और विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने सहभागिता की।

यह लेवल-5 का 600 घंटे का गहन कौशल कार्यक्रम है। इसमें 113 घंटे थ्योरी, 217 घंटे प्रैक्टिकल और 270 घंटे की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (OJT) शामिल है। प्रायोगिक सत्र हल्द्वानी अध्ययन केंद्र पर प्रत्यक्ष (Face-to-Face) माध्यम से आयोजित होंगे। UOU को NCVET में 'ड्यूअल स्टेटस' प्राप्त है, जो इसके कौशल पाठ्यक्रमों की राष्ट्रीय साख को प्रमाणित करता है। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय पर्यटन की आवश्यकताओं को देखते हुए यह कार्यक्रम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं (COL एवं CEMCA) के प्रति आभार व्यक्त किया।

# प्रवेश संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में जनवरी 2026 सत्र के दौरान प्रवेश संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। विश्वविद्यालय में कुल प्रवेश संख्या 39,436 तक पहुंची, जो जनवरी 2025 सत्र की 33,501 प्रवेश संख्या की तुलना में लगभग 6,000 अधिक रही। इसी प्रकार नए प्रवेशों की संख्या भी बढ़कर 6,608 दर्ज की गई, जबकि जनवरी 2025 सत्र में यह संख्या 5,358 थी।

वर्ष 2025 में दर्ज गिरावट के बाद प्रवेश संख्या में पुनः सकारात्मक वृद्धि देखी गई। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों, अध्ययन केन्द्रों की सक्रियता तथा व्यापक जनसंपर्क गतिविधियों के परिणामस्वरूप नामांकन में वृद्धि दर्ज हुई। सत्र के दौरान राज्यभर में आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, मेलों एवं शैक्षणिक आयोजनों में विश्वविद्यालय की सहभागिता रही। साथ ही शिक्षार्थियों के लिए निःशुल्क पुस्तक वितरण जैसी गतिविधियों का भी संचालन किया गया।

वर्तमान में विश्वविद्यालय की 14 विद्याशाखाओं के अंतर्गत 100 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से प्रदेश एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध हुए।

# SWAYAM पर पाँच नए MOOCs पाठ्यक्रमों को स्वीकृति

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को भारत सरकार के SWAYAM प्लेटफॉर्म पर पाँच नए ऑनलाइन MOOCs पाठ्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति प्राप्त हुई। इस उपलब्धि के साथ विश्वविद्यालय को प्रत्येक चार-क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए रूपये 13.50 लाख की दर से कुल रूपये 67.50 लाख का अनुदान भी स्वीकृत हुआ। स्वीकृत पाठ्यक्रमों में ऑपरेशनल मैनेजमेंट ऑफ होमस्टे स्टार्ट-अप्स, माइक्रो फाइनेंस, डेवलपमेंट स्टडीज़: इंट्रोडक्शन एंड थ्योरीज़, सीपीएस-3 असेसमेंट फॉर लर्निंग तथा बेसिक्स ऑफ एनालिटिकल लेबोरेटरी टेक्नीक्स शामिल रहे।

इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकास, उद्यमिता, शिक्षा, विकास अध्ययन, वित्तीय समावेशन तथा प्रयोगशाला तकनीकों जैसे समकालीन विषयों को बढ़ावा मिला। विश्वविद्यालय द्वारा SWAYAM पर पूर्व से संचालित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को शिक्षार्थियों की व्यापक सहभागिता प्राप्त हुई। वर्ष 2025-26 के दौरान विश्वविद्यालय के MOOCs पाठ्यक्रमों में 69,771 शिक्षार्थियों ने नामांकन किया, जबकि कुल नामांकन संख्या 2,34,153 तक पहुँची। "इंट्रोडक्शन टू साइबर सिक्योरिटी" सर्वाधिक लोकप्रिय पाठ्यक्रम रहा, जिसमें 1,38,364 शिक्षार्थियों ने नामांकन किया और जिसकी पहुँच 65 देशों तक दर्ज की गई। यह स्वीकृति डिजिटल शिक्षा, आजीवन अधिगम तथा कौशल आधारित शिक्षण के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की बढ़ती राष्ट्रीय उपस्थिति का महत्वपूर्ण प्रमाण रही।

# रिकॉर्ड समय में घोषित किए गए परीक्षा परिणाम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2025 सत्र की परीक्षाओं के परिणाम रिकॉर्ड समय में घोषित कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। विश्वविद्यालय द्वारा 16 फरवरी से 11 अप्रैल 2026 तक प्रदेशभर के 76 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं आयोजित की गईं। परीक्षा प्रक्रिया के उपरांत सभी 323 परीक्षाफल मात्र 20 दिनों के भीतर तथा केवल 15 कार्यदिवस में घोषित किए गए

इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर गठित विशेष टीम तथा 289 आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों द्वारा केन्द्रीय मूल्यांकन कार्य समयबद्ध ढंग से संपन्न किया गया। मूल्यांकन प्रक्रिया में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों ने भी सहभागिता की।

समयबद्ध मूल्यांकन, डिजिटल समन्वय तथा पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के माध्यम से विश्वविद्यालय ने अपने इतिहास में पहली बार इतने कम समय में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम घोषित किए। इस उपलब्धि से शिक्षार्थियों को प्रवेश, रोजगार तथा अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में समय पर लाभ प्राप्त हुआ।

# सामुदायिक प्रतिभागिता अंतर-विश्वविद्यालय खेल महाकुंभ में UOU की शानदार धमक

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित "उत्तराखंड अंतर-विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता" में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने पहली बार प्रतिभाग कर एक नया इतिहास रचा। समारोह का भव्य उद्घाटन प्रदेश के माननीय राज्यपाल ले. जनरल (रि.) गुरमीत सिंह जी द्वारा किया गया।

सशक्त उपस्थिति और फ्लैग मार्च: उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण UOU की टीम द्वारा किया गया 'फ्लैग मार्च' रहा। सामान्यतः संस्थागत विश्वविद्यालयों के वर्चस्व वाली इस प्रतियोगिता में मुक्त विश्वविद्यालय के 20 खिलाड़ियों ने अनुशासन और ऊर्जा के साथ मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट के नेतृत्व में टीम मैनेजर प्रो. कमल देवलाल, डॉ. राजेश मठपाल, डॉ. मीनाक्षी राणा और डॉ. दीपक शर्मा की उपस्थिति ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। दूरस्थ शिक्षा की व्यस्तताओं और सीमित समय के बावजूद,

विश्वविद्यालय के धावक महिपाल और विक्रम सिंह ने 800 मीटर दौड़ में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टीम का यह 'टीम वर्क' और समर्पण पूरे आयोजन के दौरान चर्चा का केंद्र बना रहा। अपने संबोधन में माननीय राज्यपाल ने UOU के इस कदम की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों को खेलकूद और पाठ्येतर गतिविधियों से जोड़ना विश्वविद्यालय की एक सराहनीय पहल है। उन्होंने खेलों को नेतृत्व क्षमता और चरित्र निर्माण का आधार बताया।

# भाषा में नए पाठ्यक्रम

## विदेशी भाषा सीखें, वैश्विक अवसर अपनाएँ

### यूओयू में कौशल-आधारित शिक्षा पर विशेष जोर

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय  के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की विशेष पहल पर विश्वविद्यालय में विदेशी भाषा शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर रोजगार के नए अवसर प्रदान करना और उनकी भाषाई दक्षता को बढ़ाना है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विभाग द्वारा वर्तमान में 'जापानी भाषा' का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (AECC श्रेणी) संचालित किया जा रहा है। उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इस पाठ्यक्रम को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) एवं दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है। वर्तमान सत्र 2025–26 में अब तक 75 विद्यार्थियों ने इसमें नामांकन कराया है।

पाठ्यक्रम की विशेषताएँ एवं विस्तार हेतु जापानी भाषा के उच्चारण और मौखिक संचार के लिए विशेष ऑडियो घटकों और विशेषज्ञ मार्गदर्शन सत्रों का समावेश किया जायेगा साथ ही आगामी पाठ्यक्रम से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं कार्यकारिणी परिषद से स्पेनिश और चीनी भाषा के पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृति मिल चुकी है, जो शीघ्र ही प्रारंभ किए जाएंगे।

कुलपति प्रो. लोहनी ने बताया कि विदेशी भाषाओं में दक्षता अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, कूटनीति और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में करियर के द्वार खोलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से इन पाठ्यक्रमों का लाभ उठाकर वैश्विक कौशल हासिल करने का आह्वान किया।

## जौनसारी-अपभ्रंश में अध्ययन बोर्ड

### मातृभाषा को सशक्त बनाने की विश्वविद्यालय की मुहिम

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग द्वारा मातृभाषाओं को मुख्यधारा की ओर ले जाने की दिशा में एक नई पहल करते हुए जौनसारी एवं अपभ्रंश भाषा में  अध्ययन बोर्ड ( बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ ) की बैठक आयोजित की गयी | अध्ययन समिति द्वारा जौनसारी एवं अपभ्रंश भाषा में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को स्वीकृत किया गया| विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में कुमाउनी, गढ़वाली एवं नेपाली भाषा में प्रमाण पत्र कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं| इसी क्रम में जौनसारी एवं अपभ्रंश भाषा की अध्ययन समिति की बैठक क्रमशः 11 एवं 15 जून, 2026 को आयोजित की गयी|  जौनसारी अध्ययन समिति की बैठक में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में  डॉ लीला चौहान, डॉ राजपाल सिंह चौहान एवं डॉ शिखा भारती सम्मिलित रहीं | वहीं अपभ्रंश भाषा के बाह्य विशेषज्ञ के रूप में  प्रोफेसर सुधा रानी पांडे, प्रो अवधेश प्रधान, प्रो मनोज सिंह सम्मिलित रहे | अध्ययन समिति की बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहनी, मानवीकि विद्याशाखा के निदेशक प्रो गिरिजा प्रसाद पांडे, डॉ शशांक शुक्ल, डॉ राजेंद्र कैड़ा, डॉ अनिल कुमार कार्की, डॉ कुमार मंगलम एवं डॉ पुष्पा बुढलाकोटी सम्मिलित रहीं|

# शोध एवं लेखन में विशेष उपलब्धियाँ

## प्रो. राकेश रयाल को नई दिल्ली में 'बेस्ट मीडिया एजुकेटर' सम्मान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन निदेशक प्रो. (डॉ.) राकेश चन्द्र रयाल को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित '20वें मीडिया एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026' में सम्मानित किया गया है। मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया (MFI) द्वारा उन्हें यह सम्मान “Best Media Educator of Digital Journalism” की श्रेणी में प्रदान किया गया।

नई दिल्ली के आईटीओ स्थित पी.एल.बी. ऑडिटोरियम में आयोजित इस गरिमामय समारोह में प्रो. रयाल को डिजिटल पत्रकारिता, सांस्कृतिक संचार (Cultural Communication) और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सराहा गया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोक परंपराओं को डिजिटल माध्यमों से नई पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रो. रयाल ने कहा कि यह पुरस्कार केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मीडिया शिक्षा से जुड़े समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि डिजिटल युग में 'सार्थक संवाद' के लिए तकनीकी नवाचार को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना अनिवार्य है। प्रो. रयाल की इस उपलब्धि पर माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी और संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया है। यह सम्मान उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती साख का प्रमाण है।

## यूओयू की तकनीकी उड़ान: सहायक निदेशक अनुराग भट्ट के AI नवाचार को मिला भारत सरकार का 'डिजाइन पेटेंट'

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं आईटी विभाग के सहायक निदेशक अनुराग भट्ट ने तकनीकी क्षेत्र में विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। उनके द्वारा विकसित “कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर आधारित शिक्षण निगरानी प्रणाली” को भारत सरकार ने डिजाइन पेटेंट प्रदान किया है। यह एआई-आधारित उपकरण स्मार्ट क्लासरूम में शिक्षण प्रक्रिया की निगरानी, डेटा विश्लेषण और गुणवत्ता सुधार के लिए क्रांतिकारी समाधान प्रदान करेगा। इस उपलब्धि में अनुराग भट्ट के साथ पवनीत कौर, जगप्रीत सिंह, डॉ. मनीष पांडेय, डॉ. के. के. गौतम, डॉ. प्रशांत कुमार एवं डॉ. कपिल देव सिंह की शोध टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय और राज्य के लिए गौरवशाली बताया। प्रो. राकेश रयाल, प्रो. जीतेंद्र पाण्डे, प्रो. आशुतोष भट्ट एवं कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट सहित समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने इस तकनीकी नवाचार की सराहना की है।

## उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. ललित मोहन पंत को डिज़ाइन पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के मनोविज्ञान विभाग में कार्यरत सहायक आचार्य डॉ. ललित मोहन पंत ने शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय (The Patent Office, Government of India) द्वारा उनके नवाचार कार्य “IoT Based Wearable Device For Workplace Wellness Tracking” को डिज़ाइन पंजीकरण की मान्यता प्रदान की गई है। उक्त डिज़ाइन को डिज़ाइन संख्या 472500-001 के अंतर्गत 05 सितम्बर 2025 को पंजीकृत किया गया तथा इसका प्रमाणपत्र 19 जनवरी 2026 को जारी हुआ।

यह अभिनव डिज़ाइन एक IoT आधारित पहनने योग्य उपकरण (Wearable Device) से संबंधित है, जो कार्यस्थल पर कर्मचारियों के स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और कार्यक्षमता की निगरानी में सहायक होगा। यह उपकरण शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक गतिविधियों का विश्लेषण कर तनाव स्तर, स्वास्थ्य स्थिति तथा समग्र वेलनेस से जुड़ी उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है।

वर्तमान समय में कार्यस्थलों पर बढ़ते तनाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को देखते हुए यह तकनीकी नवाचार अत्यंत उपयोगी माना जा रहा है। इसके माध्यम से कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रबंधन और बेहतर कार्य वातावरण के निर्माण में सहायता मिल सकती है।

इस डिज़ाइन के विकास में डॉ. ललित मोहन पंत के साथ अन्य शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं का भी योगदान रहा है। पंजीकरण प्रमाणपत्र में सह-आविष्कारकों के रूप में डॉ. विध्या बालासुब्रमणियन, डॉ. नीरज चंदनानी, प्रो. डॉ. अजिम शेख, प्रो. जाह्नवी काकानी नागभूषण तथा प्रो. डॉ. प्रलय गांगुली के नाम सम्मिलित हैं।

डॉ. ललित मोहन पंत ने कहा कि आधुनिक तकनीक और मनोविज्ञान के समन्वय से मानव कल्याण को बढ़ावा देने के लिए ऐसे नवाचार आवश्यक हैं। यह डिज़ाइन कार्यस्थलों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कर्मचारी कल्याण की निगरानी के क्षेत्र में नई संभावनाएँ विकसित करेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति, अधिकारियों एवं शिक्षकों ने डॉ. पंत को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नवाचार विश्वविद्यालय की शोध संस्कृति को मजबूत करते हैं और विद्यार्थियों व शोधार्थियों को नए अनुसंधान के लिए प्रेरित करते हैं।

डॉ. ललित मोहन पंत की यह उपलब्धि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की शोध एवं नवाचार परंपरा को नई दिशा देने वाली है।

## डॉ. अनिल कार्की 'उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल कार्की को प्रतिष्ठित 'उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान (चन्द्रकुंवर बर्त्वाल पुरस्कार)' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

वर्ष 2025 के लिए घोषित इस सम्मान का अलंकरण समारोह 30 मार्च 2026 को देहरादून स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय के मुख्य सेवक सदन में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी रहे। कार्यक्रम में भाषा मंत्री श्री खजान दास, उत्तराखंड भाषा संस्थान की निदेशक मायावती डकरियाल तथा संस्थान के सदस्य एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. अनिल कार्की को 50 हजार रुपये की धनराशि, सम्मान-चिह्न, प्रशस्ति-पत्र तथा अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान हिंदी साहित्य एवं भाषा के क्षेत्र में उनके निरंतर सृजनात्मक और अकादमिक योगदान की मान्यता के रूप में प्रदान किया गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने डॉ. कार्की को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान डॉ. कार्की के सतत साहित्यिक योगदान, समर्पण और रचनात्मक प्रतिबद्धता का प्रतिफल है। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय बताया।

विश्वविद्यालय परिवार ने भी डॉ. अनिल कार्की की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# यूओयू के श्री मनोज पाण्डेय, डॉ. राकेश पंत एवं टीम के नवाचार को राष्ट्रीय मान्यता

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के श्री मनोज पाण्डेय, डॉ. राकेश पंत एवं उनकी टीम द्वारा विकसित "Cataloging and Resource Tracking Device" को भारत सरकार के पेटेंट, डिज़ाइन एवं ट्रेड मार्क्स महानियंत्रक कार्यालय द्वारा डिज़ाइन पंजीकरण (Design Registration) प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन, कैटलॉगिंग तथा अनुश्रवण (Tracking) व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान मानी जा रही है।

# राज्य स्तरीय संगीत प्रतियोगिता: विवि के छात्र राहुल ने जीता 11,000 का पुरस्कार

उत्तराखण्ड राज्य रजत जयंती समारोह-2025 के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य संगीत वाद्ययंत्र (एकल वादन) प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी राहुल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग के स्नातक तृतीय सेमेस्टर (तबला) के छात्र राहुल को इस उपलब्धि हेतु ₹11,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। यह पुरस्कार माननीय कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति प्रो. लोहनी ने राहुल की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दीं।

# संस्कृति समाचार

## संस्कृति संरक्षण की अभिनव पहल

### पुराने शासकीय वाहन में सजी उत्तराखण्ड की लोक-संस्कृति

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी रचनात्मक सोच और सांस्कृतिक निष्ठा का परिचय देते हुए एक अनूठी मिसाल पेश की है। विश्वविद्यालय ने एक पुराने, निष्प्रयोज्य (Scrap) शासकीय वाहन को उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक-संस्कृति, पारंपरिक प्रतीकों और चटख रंगों से सजाकर उसे एक 'चलते-फिरते सांस्कृतिक स्मारक' में तब्दील कर दिया है। इस अभिनव पहल का लोकार्पण मुख्य अतिथि, नगर-निगम हल्द्वानी के महापौर गजराज सिंह बिष्ट द्वारा किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयोग समाज के लिए प्रेरणादायी है। यह न केवल 'वेस्ट टू आर्ट' (Waste to Art) का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि युवाओं को अपनी जड़ों और संस्कृति से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम भी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि यह पहल स्मृति और संस्कृति दोनों को संरक्षित करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह रचनात्मक प्रयोग इस बात को सिद्ध करता है कि नवाचारी विचारों से किसी भी प्रयोजनहीन वस्तु को नया और आकर्षक स्वरूप दिया जा सकता है। इस वाहन को सुसज्जित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग को सौंपी गई थी। यह पहल पर्यावरण संरक्षण (री-यूज) और लोक-कला के संवर्धन का दोहरा संदेश देती है। कार्यक्रम में कुलसचिव खेमराज भट्ट, वित्त नियंत्रक, समस्त निदेशक, शिक्षक और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# ‘प्रातिज्ञ’ में सजी संगीत और नृत्य की सुरमयी संध्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर स्थित सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में ‘प्रातिज्ञ’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक एवं शास्त्रीय कला के प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत गीत के साथ हुआ। लोक कलाकार डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने उत्तराखण्ड के लोक संगीत की प्रस्तुति देते हुए लोकधुनों में निहित शास्त्रीय रागों की विशेषताओं को रेखांकित किया। इसके पश्चात प्रो. हरविन्दर सिंह ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी। कथक नृत्यांगना डॉ. पूर्णिमा पाण्डे ने अपनी आकर्षक नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों की सराहना प्राप्त की। विशिष्ट अतिथि डॉ. बसन्ती बिष्ट ने लोक एवं शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, प्रो. मनमोहन सिंह चौहान, कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट सहित विश्वविद्यालय परिवार, कलाकारों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

# उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 'उषा किरण खान' व्यक्तित्व एवं कृतित्व' पर राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में "उषा किरण खान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर एक राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित साहित्यकारों, शिक्षाविदों एवं साहित्य प्रेमियों ने सहभागिता करते हुए प्रख्यात मैथिली एवं हिंदी साहित्यकार उषा किरण खान के साहित्यिक अवदान के विविध आयामों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उद्घाटन सत्र में साहित्य अकादमी के सचिव वरुण गुलाटी ने उषा किरण खान की रचनाओं में लोक संस्कृति एवं महिला सशक्तिकरण को उनकी विशिष्ट पहचान बताया। साहित्य अकादमी के हिंदी परामर्श मंडल के सदस्य प्रो. देव सिंह पोखरिया ने कहा कि यह परिसंवाद उत्तर भारत के पाठकों को उनके समृद्ध साहित्य से परिचित कराने का महत्त्वपूर्ण अवसर है। प्रख्यात साहित्यकार प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने अपने बीज वक्तव्य में कहा कि उषा किरण खान का साहित्य सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय संवेदनाओं का जीवंत दस्तावेज है। मुख्य अतिथि एवं साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष तथा महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा को समझने के लिए उनकी कृतियाँ दूबजान और भामती अवश्य पढ़ी जानी चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने कहा कि उषा किरण खान के साहित्य में भारतीय समाज की ऐतिहासिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और क्षेत्रीय अस्मिता का सशक्त प्रतिबिंब मिलता है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कार्यक्रम संयोजक डॉ. शशांक शुक्ल

को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय में शीघ्र ही विदेशी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के नए पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने की जानकारी दी। उद्घाटन सत्र का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शशांक शुक्ल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. सविता मोहन ने की। उन्होंने उषा किरण खान के साहित्य में महिला जीवन-संघर्ष तथा सांप्रदायिक सह-अस्तित्व पर विचार रखे। प्रो. सुशील उपाध्याय ने उनकी रचनाओं के मनोवैज्ञानिक पक्ष एवं एक है जानकी में सीता के नवीन चित्रण की चर्चा की। प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने आर्थिक संघर्ष, पलायन और उत्तर-औद्योगीकरण के संदर्भ में उनकी रचनाओं की प्रासंगिकता रेखांकित की, जबकि प्रो. कुमार वरुण ने लोक संस्कृति, ऐतिहासिक दृष्टि एवं गई संस्कृति टूट जैसी कृतियों के माध्यम से उनके साहित्य की विशिष्टता पर प्रकाश डाला। सत्र का संचालन डॉ. अनिल कार्की ने किया तथा धन्यवाद डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. रमा (हंसराज कॉलेज) ने की। प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने उषा किरण खान को महिलाओं के संघर्ष और लोक जीवन की सशक्त दस्तावेज़कार बताते हुए डूब-धान के माध्यम से भाषाओं के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. स्वाति चौधरी ने लेखिका के जीवन, पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा उनकी सशक्त स्त्री पात्रों की विशेषताओं का विश्लेषण प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय टिप्पणी में प्रो. रमा ने कहा कि उषा किरण खान लोक संस्कृति की सजग संरक्षक हैं और उनका साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। समापन वक्तव्य में प्रो. देव सिंह पोखरिया ने इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता पर बल देते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। द्वितीय सत्र का संचालन सुश्री पुष्पा बुडलाकोटी ने किया। दोनों तकनीकी सत्रों में अतिथियों का स्वागत शॉल, ऐपण चित्रकारी एवं पौधे भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशकगण, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

## 'गाँव-घर महोत्सव' में ग्राम्य संस्कृति और लोकज्ञान पर केंद्रित आयोजन

पुस्तकालय विलेज, मणिगुह में आयोजित दो दिवसीय 'गाँव-घर महोत्सव' का शुभारंभ उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी द्वारा किया गया। महोत्सव का उद्देश्य ग्राम्य जीवन की परंपराओं, लोकज्ञान, सामुदायिक सहभागिता तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर अध्ययन कक्ष का उद्घाटन किया गया तथा पुस्तक संस्कृति और ग्रामीण समाज के मध्य संवाद को सशक्त बनाने पर बल दिया गया।

महोत्सव के दौरान हिमालयी ज्ञान परंपरा, लोकजीवन, पारंपरिक ज्ञान, कृषि, पर्यावरण तथा ग्रामीण संस्कृति से जुड़े विषयों पर संवाद आयोजित किए गए। साथ ही कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, पारंपरिक ग्रामीण वस्तुओं एवं स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी ने प्रतिभागियों को ग्राम्य जीवन की समृद्ध विरासत से परिचित कराया। महोत्सव ने गाँव, पुस्तकालय, युवाओं और लोकसंस्कृति के बीच सार्थक संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान किया तथा ग्रामीण ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में अपनी पहचान बनाई।

# सामाजिक दायित्व के तहत उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने आठ गाँव लिए गोद

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने सामाजिक दायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित आठ गाँवों को गोद लिया। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की 45वीं बैठक में लिए गए निर्णय के क्रम में गठित तीन सदस्यीय समिति ने जनसंख्या, पिछड़ापन, गरीबी, बीपीएल परिवारों की संख्या तथा जिला मुख्यालय से दूरी जैसे मानकों के आधार पर उत्तरकाशी के मोलनो, हल्द्वानी के कुण्डेश्वरी, देहरादून के कोरूवा, रानीखेत के मल्ली मिराई, रुड़की के जस्सावाला, पौड़ी के मल्ली, पिथौरागढ़ के कोटअमोड़ी तथा कर्णप्रयाग के मनिगूह गाँवों का चयन किया।

दिनांक 15 मई से 15 जून 2026 के मध्य विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशकों एवं संकाय सदस्यों ने चयनित ग्रामों का भ्रमण कर जनपोषण, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सामाजिक कार्य, पर्यटन तथा योग जैसे विषयों पर व्याख्यान, कार्यशालाएँ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना की।

कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित गाँवों में पुस्तक मेलों का आयोजन कर निःशुल्क पुस्तकों का वितरण भी किया गया। विश्वविद्यालय के इस अभियान ने उच्च शिक्षा संस्थान की सामाजिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए ग्रामीण समुदाय के साथ ज्ञान, जागरूकता एवं जनकल्याण पर आधारित संवाद को सुदृढ़ किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. कमल देवलाल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँवों में जनहित एवं सामुदायिक विकास से जुड़ी गतिविधियों का सफल संचालन किया गया।

# मीडिया

उत्तराखंड मुक्त विवि ने रचा कीर्तिमान
20 दिनों में परीक्षा परिणाम घोषित

में 20 छात्रों ने किया प्रतिभाग

100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम

स्वयं पोर्टल पर शुरू होंगे

कुमाऊं

दैनिक भास्कर

आपदा, पर्यटन और कृषि के बेहतर प्रबंधन को एआइ

अकादमिक गतिविधियों एवं अध्ययन सामग्री प्रणाली पर प्रकाश डाला

नेट-जेआरएफ पास अभ्यर्थियों की परीक्षा नहीं

शुक्रवार को दिल्ली में इग्नू और यूओयू के बीच हुआ समझौते में हस्ताक्षर किए गए।

इग्नू और यूओयू के बीच हुआ समझौता

संवाद न्यूज एजेंसी

गढ़वाल के अध्ययन केंद्रों के लिए क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित

हल्द्वानी। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों के बीच हुए इस करार का उद्देश्य मुक्त विश्वविद्यालय को विज्ञान और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में शोध का केंद्र बनाना है। विवि के भौतिकी, भूगोल और पर्यावरण विज्ञान जैसे विभागों के साथ मिलकर एरीज ओवरलैपिंग शोध परियोजनाओं पर काम शुरू करेगा।

एरीज के निदेशक प्रो. मनीष नाजा का कहना है कि वायुमंडल और क्लाइमेट पैरामीटर्स को व्यावहारिक

लिए हल्द्वानी व्यावहारिक प्रयोगशाला की तरह: प्रो. नाजा

एरीज के साथ बनेगा नया पाठ्यक्रम

यूओयू अब एरीज के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर नए पाठ्यक्रम तैयार करेगा। इन्हें एरीज सर्टिफाई करेगा। रोडियो हैले हल्द्वानी के माध्यम से भी वैज्ञानिकों के व्याख्यान प्रसारित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय ने जमीन उपलब्ध करा दी है।कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि इस करार का लाभ उन शिक्षार्थियों को

बढ़ाने पर जोर देने की जरूरत

यूओयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया गया आयोजन

ला ने गोल्ड और सिल्वर मे

निर्मला मेहता।

पंकज आर्य।

पंकज आर्य ने तैराकी में जीता कांस्य

हल्द्वानी। हल्द्वानी निवासी पंकज आर्य ने अहमदाबाद में आयोजित मुक्तधि राष्ट्रीय प्रतियोगिता के 200 मीटर बैक स्ट्रोक इवेंट में कांस्य पदक जीता।

शीतकालीन सत्र 2026 के आंकड़े उत्साहजनक

क्षण में आएगा बदलाव

मुक्त विवि के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन

ाख्यान श्रृंखला में "हाउ टू यूज एआई इन टी

की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन

र में कृत्रिम बुद्धिमता एआई शिक्षा व्यवस्था

मुख्य वक्ता शिवानंद कनवी पूर्व उपाध्यक्ष,

के बारे में बताया। संचालन नीरजा सिंह द्वा

स्वाध्याय से प्राप्त कर सकते

मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र में नवप्रवेशी छात्रों के लिए दीक्षारंभ

Deekshorambh

गा प्रतिज्ञ कार्यक्रम

प्राप्ति, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त

श्वविद्यालय में राष्ट्रीय नृत्य एवं नाटक

ादमी के सहयोग से 25 अप्रैल को

तिज्ञ कार्यक्रम किया जाएगा। इसमें

न्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रख्यात

लाकार प्रो. हरविंदर सिंह मोहाली


फ़ोन
05946-286000
05946-286043

वेबसाइट
www.uou.ac.in
https://online.uou.ac.in

admission@uou.ac.in
exam@uou.ac.in

पता:
विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे, तीनपानी बाईपास, हल्द्वानी-263139, नैनीताल, उत्तराखंड

Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी
91.2 FM
TOLL FREE
18001804025
GET IT ON Google Play
Hello Haldwani 91.2 FM Download from App Store

**सपांदन मंडल**

संरक्षक: प्रो0 नवीन चन्द्र लोहनी, कुलपति
प्रबंध संपादक: श्री खेमराज भट्ट, कुलसचिव
प्रधान संपादक: प्रो0 राकेश चंद्र रयाल
संपादक: डा शशांक शुक्ल
सहायक संपादक: श्री विनायक तिवारी
डिजाइनर: श्री हरीश गोयल
सहायक लिपिक: श्री मोहन जोशी

**UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY**
Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2025
उत्तराखंड सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय
University Road, Behind Transport Nagar
(Teen Pani Bypass), Haldwani (Nainital) 263139 Uttarakhand
Phone : 05946-286000 Fax: 05946-264232

/uoulive
/uoulive
/uouhldlive
/uoulive